प्राक्कथन

फिरोजाबाद–शिकोहाबाद नगर एक औद्योगिक एवं व्यवसायिक नगर है जो कि दिल्ली से कलकत्ता जाने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या–2 पर स्थित है। शासन के आदेश संख्या 2850/37–3–27/आर.बी.ओ./61 दिनांक 20.4.1977 के द्वारा फिरोजाबाद नगरपालिका क्षेत्र तथा आस–पास के 35 ग्रामों को सम्मिलित करते हुए सर्वप्रथम फिरोजाबाद विनियमित क्षेत्र घोषित किया गया। नगर में हो रहे अनियोजित एवं अनियंत्रित विकास को सुनियोजित दिशा प्रदान करने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश (निर्माण कार्य विनियमन) अधिनियम–1958 के अधीन शासन द्वारा फिरोजाबाद नगर के लिए प्रथम महायोजना–2001 तैयार की गयी जो कि उत्तर प्रदेश शासन की अधिसूचना संख्या 2772/37–3–83–49/एन.के.वी./76 दिनांक 1.7.1983 द्वारा स्वीकृत की गई,।

वर्ष 1989 में फिरोजाबाद नगर जो पूर्व में आगरा जनपद के अन्तर्गत तहसील मुख्यालय था को आगरा जनपद से पृथक कर नया जनपद घोषित करने के फलस्वरूप शासन के आदेश संख्या 2063/9–आ–3–93–27/आर.बी.ओ./61 दिनांक 4.4.1993 के द्वारा फिरोजाबाद विनियमित क्षेत्र की सीमाओं में विस्तार करते हुए विनियमित क्षेत्र में सम्मिलित ग्रामों की संख्या 53 की गई। इसके पश्चात् शासनादेश संख्या 1053/9–आ–5–95डी.ए./91 दिनांक 7.4.1995 के द्वारा फिरोजाबाद–शिकोहाबाद विकास क्षेत्र घोषित किया गया जिसमें फिरोजाबाद एवं शिकोहाबाद नगरपालिका परिषद् क्षेत्र के अतिरिक्त 110 ग्रामों को सम्मिलित किया गया जिसमें पूर्व में फिरोजाबाद विनियमित क्षेत्र में सम्मिलित 53 ग्राम भी शामिल हैं।

फिरोजाबाद एवं शिकोहाबाद नगर में हो रहे अनियोजित विकास एवं निर्माणों को नियोजित करने एवं मिश्रित भू–उपयोगों को एक सुनियोजित दिशा प्रदान करने हेतु वर्ष 2031 के लिए महायोजना का प्रारूप तैयार की गयी है जिसमें वर्ष 2031 तक के लिए दोनों नगर एवं आस–पास के ग्रामों को सम्मिलित करते हुए फिरोजाबाद एवं शिकोहाबाद की भावी नगरीय क्षेत्र की जनसंख्या क्रमशः 14,55,000 एवं 2,70,000 अनुमानित की गयी है। फिरोजाबाद–शिकोहाबाद महायोजना–2031 (प्रारूप) विभिन्न सर्वेक्षणों, अध्ययन एवं उनके विश्लेषणों के आधार पर तैयार की गयी है। इसमें 2031 तक की अवधि के लिए नगर की भावी आवश्यकताओं एवं विकास की सम्भावनाओं का निरूपण किया गया है। भावी जनसंख्या की आवासीय, वाणिज्यिक, औद्योगिक, सामुदायिक सुविधाएं, उपयोगिताएं एवं सेवाएं, पार्क व खुले स्थल आदि का समुचित प्रस्ताव किया गया है। इस योजना में विभिन्न कार्य केन्द्रों तथा क्षेत्रवार जनसंख्या वितरण के नियोजित रूपरेखा तथा यातायात सम्बन्धी समस्याओं के निस्तारण का प्रस्ताव किया गया है।

इस प्रकार फिरोजाबाद–शिकोहाबाद महायोजना–2031 (प्रारूप) पर जनता एवं विभिन्न शासकीय एवं अर्द्ध शासकीय विभागों से आपत्ति/सुझाव आमंत्रित करने के उद्देश्य से प्रस्ताव को प्रदर्शित किया जायेगा तथा उक्त प्रस्तावों पर प्राप्त आपत्ति/सुझावों के निस्तारण उपरान्त

ही उक्त महायोजना को अन्तिम रूप दिया जायेगा। मैं फिरोजाबाद–शिकोहाबाद विकास प्राधिकरण, विकास प्राधिकरण बोर्ड के अध्यक्ष एवं सभी सदस्यों, विभिन्न शासकीय अर्द्ध शासकीय कार्यालय, फिरोजाबाद–शिकोहाबाद नगरपालिका परिषद् तथा स्थानीय जागरुक नागरिको के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होंने इस महायोजना प्रारूप को तैयार करने में अपने बहुमूल्य सहयोग प्रदान किया तथा आशा करता हूँ कि वह अपने बहुमूल्य सुझावों से उक्त प्रस्ताव को अन्तिम रूप देने में अपना सहयोग देते रहेंगे।

उपाध्यक्ष / जिलाधिकारी
फिरोजाबाद–शिकोहाबाद विकास प्राधिकरण

महायोजना दल

नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग, उत्तर प्रदेश

मुख्य नगर एवं ग्राम नियोजक	श्री एन.आर.वर्मा
सहयुक्त नियोजक	श्री अनूप कुमार श्रीवास्तव

फिरोजाबाद–शिकोहाबाद विकास प्राधिकरण

उपाध्यक्ष / जिलाधिकारी	श्री एन.जी.रवि कुमार
सचिव / नगर मजिस्ट्रेट	श्री ओ.के.सिंह
अधिशासी अभियन्ता	श्री एन.एस.गौतम
सहायक अभियन्ता	श्री जहीरुद्दीन

कार्यकारी दल

सॉख्यकीय सहायक	श्री पी.के.शाह
	श्री लल्लू,
सर्वेक्षण सहायक	श्री जीवेश किशोर शर्मा
	श्री विजेन्द्र सिंह
	श्री जय प्रकाश
	श्री आदित्य नाथ भारद्वाज
	श्रीमती प्रतिमा तिवारी
मुख्य मानचित्रकार	श्री राम प्रसाद
	श्रीमती मीनाक्षी पाण्डेय
योग्य मानचित्रकार	श्री विनोद कुमार गौड़
अनहर मानचित्रकार	श्री हरिओम
	श्री शैलेन्द्र कुमार
अनुरेखक	श्री राम कुमार वर्मा
	श्री राजकुमार
अवर अभियन्ता	श्री मुन्ना लाल अग्रवाल
	श्री नवल किशोर शर्मा
	श्री देवी सिंह
अधिदर्शक कम सर्वेयर	श्री दीवान सिंह
आशुलिपिक	श्री सुरेश चन्द शर्मा
मुख्य लिपिक	श्री रामबाबू वर्मा
वरिष्ठ सहायक	श्री जगदीश चन्द्र
वरिष्ठ लिपिक	श्री शम्भूदयाल
	श्री राकेश सिंह चौहान
कनिष्ठ लिपिक	श्री संजय कुमार गुप्ता
	श्रीमती शशी पाराशर

फिरोजाबाद–शिकोहाबाद महायोजना –2031

अध्याय–1

परिचय

1.1 क्षेत्रीय स्थिति

फिरोजाबाद–शिकोहाबाद नगर पश्चिमी उत्तर प्रदेश के आगरा मंडल के अन्तर्गत आते हैं। फिरोजाबाद नगर आगरा से 44 कि.मी. की दूरी पर तथा दिल्ली से 244 कि.मी. की दूरी पर राष्ट्रीय राजमार्ग–2 (एन.एच.–2) पर स्थित है। फिरोजाबाद जिले की सीमा उत्तर में एटा तथा पूरव में मैनपुरी व इटावा जिले की सीमा को छूती है। इसकी दक्षिणी सीमा पर यमुना नदी बहती है। फिरोजाबाद जिले का क्षेत्रफल, उ. प्र. के सम्पूर्ण क्षेत्रफल का लगभग 0.8 प्रतिशत है तथा उ.प्र. की सम्पूर्ण जनसंख्या का लगभग 1.1 प्रतिशत जनसंख्या यहॉ निवास करती है।

फिरोजाबाद नगर अपने ग्लास व चूड़ी उद्योग तथा इससे सम्बन्धित अन्य लघु उद्योगों के लिए सम्पूर्ण विश्व में प्रसिद्ध है। विभिन्न प्रकार की चूड़ियॉ, कंगन आदि का प्रमुख निर्यातक होने के कारण इसे "सुहाग नगरी " के नाम से भी जाना जाता है।

शिकोहाबाद नगर फिरोजाबाद जिले के अन्तर्गत एक नगरपालिका परिषद् है। यह नगर सिरसा नदी के किनारे बसा हुआ है। शिकोहाबाद नगर अपने ग्लास उद्योग के लिए जाना जाता है।

1.2 फिरोजाबाद–शिकोहाबाद नगरों की रूपरेखा

फिरोजाबाद नगर 27° –09" अक्षांश तथा 78° –23" देशान्तर पर स्थित है तथा शिकोहाबाद नगर 27° –06" अक्षांश तथा 78° –36" देशान्तर पर स्थित है। यह दोनों ही नगर रेल तथा सड़क मार्गों द्वारा देश के विभिन्न नगरों से भली–भॉति जुड़े हुए हैं।

1.2.1 यातायात

फिरोजाबाद नगर का रेलवे स्टेशन दिल्ली–हावड़ा ब्राड गेज लाइन द्वारा सम्बद्ध है। रेल द्वारा फिरोजाबाद नगर से दिल्ली की दूरी 222 कि.मी. तथा कानपुर की दूरी 217 कि.मी.है। यह नगर विभिन्न ट्रेनों द्वारा लम्बी व कम दूरी वाले गंतव्य स्थलों जैसे नई दिल्ली, हावड़ा, मुम्बई, कानपुर, लखनऊ, जयपुर, आगरा और टूण्डला आदि से भी भली–भॉति जुड़ा है।

फिरोजाबाद नगर आगरा से 44 कि.मी. पूरब में राष्ट्रीय राजमार्ग सं.–2 पर स्थित है जो कि इस नगर को पश्चिम में आगरा से तथा पूर्व में कानपुर से जोड़ता है। यह नगर उत्तर प्रदेश के साथ–साथ अन्य राज्यों जैसे राजस्थान, मध्यप्रदेश आदि से विभिन्न बस सेवाओं से जुड़ा हुआ है।

शिकोहाबाद नगर में स्थित शिकोहाबाद जंक्शन रेलवे स्टेशन, दिल्ली, कोलकता, मुम्बई, आगरा, कानपुर, फरुखाबाद तथा लखनऊ आदि शहरों से रेल यातायात द्वारा भली–भॉति सम्बद्ध है।

1.2.2 जलवायु

फिरोजाबाद–शिकोहाबाद नगरों का अधिकतम तापमान 45ँ.7" सेंटीग्रेड तथा न्यूनतम तापमान 3.0 सेंटीग्रेड तक पहुॅच जाता है। यहॉ जनवरी माह में सबसे अधिक ठण्ड व जून माह में भीषण गर्मी रहती है। यहॉ पर औसत वर्षा 743.9 मि.मी. रहती है। यहॉ की मिट्टी अमूमन उपजाऊ एवं कृषि योग्य है तथा यहॉ पर गेहूॅ, जौ, मक्का व आलू प्रमुख फसलें हैं।

1.2.2 ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

फिरोजाबाद नगर का उद्भव बहुत प्राचीन नहीं है। इसकी आधारशिला मुगलकाल में अकबर के शासनकाल में पड़ी। प्रारम्भ में यह नगर एक गाँव के रूप में आगरा–शिकोहाबाद मार्ग पर आसफाबाद में स्थित था। कहा जाता है कि सन् 1566 में राजा टोडरमल, गया जाते समय यहॉ ठहरे थे तभी कुछ डाकुओं ने उन्हें लूट लिया था। उनकी प्रार्थना पर अकबर ने अपने मनसबदार फिरोजशाह को भेजा जिसने इस गॉव को ध्वस्त करके अपने नाम से सम्बोधित फिरोजाबाद बसाया। फिरोजशाह के समय से आज तक फिरोजाबाद अपने प्राचीन स्थान पर ही स्थित है। फिरोजशाह का मकबरा और कटरा पठान के भग्नावशेष आज भी इस तथ्य के प्रमाण के रूप में उपस्थित हैं।

नगर की स्थापना एवं प्रारम्भिक विकास एक पुनर्वास ग्राम बस्ती के रूप में अनियोजित ढ़ंग से हुआ। सन् 1803 में फिरोजाबाद तहसील मुख्यालय बन जाने से नगर का आर्थिक तथा प्रशासनिक विकास प्रारम्भ हुआ। फिरोजाबाद नगर का विकास आरम्भ में आगरा–शिकोहाबाद मार्ग तथा फतेहाबाद मार्ग जो आगरा–शिकोहाबाद मार्ग से समकोंण पर मिलता है के किनारे–किनारे ही हुआ।

फिरोजाबाद नगर के कॉच उद्योग का वास्तविक आरम्भ 1908 ई. में आस्ट्रियन कॉच विशेषज्ञों की सहायता से चौ. नन्दराम नामक उद्योगपति द्वारा मैसर्स इण्डियन ग्लास वर्क्स नामक कारखाने की स्थापना से हुआ। तत्पश्चात् कॉच का उद्योग विभिन्न विदेशी तकनीकी विशेषज्ञों की सायता से शनैः–शनै विकसित होता गया।

शिकोहाबाद नगर का वर्तमान नाम मुगल शहजादे दारा शिकोह के नाम पर है। इसका प्राचीन नाम मोहम्मदपुर था। बिट्रिश शासन काल से ही यह नगर अपने ग्लास उद्योग के लिए जाना जाता है। शिकोहाबाद नगर में ' हिन्द लैम्प ' के नाम से बल्व और इलैक्ट्रिक ट्यूब बनाने की एक पुरानी उत्पादक इकाई है जो अब बजाज इलैक्ट्रिकल के नाम से जानी जाती है।

शिकोहाबाद से 22 कि.मी. दूर भगवान शंकर का प्रसिद्ध तीर्थ स्थान बटेश्वर तथा एक प्रसिद्ध जैन तीर्थ यमुना नदी के किनारे स्थित है।

फिरोजाबाद – शिकोहाबाद दोनों ही नगर ताज ट्रेपेजियम क्षेत्र के अन्तर्गत आते हैं।

1.3 फिरोजाबाद विनियमित क्षेत्र

भूमि के अव्यवस्थित वितरण, भवनों के अनियोजित निर्माण और निम्न स्तर के उपनिवेशों की बढ़ोत्तरी को रोकने एवं उपयुक्त योजनानुसार विकास एवं निर्माण हेतु उ.प्र. (निर्माण कार्य विनियमन) अधिनियम–1958 के अन्तर्गत शासनादेश संख्या 2850/37–3–27/आर.बी.ओ./61 दिनांक 20.4.77 के द्वारा फिरोजााद नगरपालिका तथा आस–पास के 35 ग्रामों को सम्मिलित करते हुए फिरोजाबाद विनियमित क्षेत्र घोषित किया गया।

वर्ष 1989 में फिरोजाबाद नगर जो पूर्व में आगरा जनपद के अन्तर्गत तहसील मुख्यालय था को आगरा जनपद से पृथक कर अलग से जनपद घोषित करने के कारण शासन के आदेश संख्या 2063/9–आ–3–93–27/आर.बी.ओ./61 दिनांक 4.6.1993 के द्वारा फिरोजाबाद विनियमित क्षेत्र की सीमाओं में विस्तार करते हुए विनियमित क्षेत्र में ग्रामों की संख्या 35 से बढ़ाकर 53 की गई।

शासनादेश संख्या 1053/9–आ–5–95.डी.ए./91 दिनांक 7.4.1995 के द्वारा फिरोजाबाद–शिकोहाबाद विकास क्षेत्र घोषित किये गये जिसमें फिरोजाबाद–शिकोहाबाद के अतिरिक्त इसमें 110 ग्रामों को सम्मिलित किया गया तथा शासनादेश संख्या 1054/9 आवास–5–95–29.डी.ए.. दिनांक 7 अप्रैल 1995 द्वारा विकास प्राधिकरण का गठन किया गया।

1.4 फिरोजाबाद महायोजना–2031 तैयार किये जाने की आवश्यकता

1. पूर्व स्वीकृत फिरोजाबाद महायोजना को तैयार करने की प्रक्रिया वर्ष 1980 में प्रारम्भ की गई थी जिसकी स्वीकृति शासन के पत्र संख्या2772/37–3–83–49/एन.के.वी./76 दिनांक 1.7.1983 द्वारा प्रदान की गई। वर्तमान में लागू महायोजना वर्ष 2001 तक की अवधि के लिए तैयार की गई थी जिसकी समय सीमा समाप्त हुए 10 वर्ष हो जाने के कारण महायोजना–2031 तैयार करना अपरिहार्य हो गया।

2. महायोजना में प्रस्तावित विभिन्न भू–उपयोगों के विरुद्ध किये गये अनधिकृत निर्माण एवं विकास कार्यों के कारण भी महायोजना प्रस्तावों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है, जिसका कि समुचित अध्ययन करना आवश्यक हो गया।

3. शासन द्वारा महायोजना अवधि में समय–समय पर भू–उपयोग परिवतन किये गये हैं, जिसके फलस्वरूप परिवर्तित भू–उपयोग के आस–पास के क्षेत्र पर महायोजना प्रस्तावों के प्रभाव का अध्ययन करना आवश्यक हो गया।

4. जनसंख्या वृद्धि के अनुपात में नागरिक सुविधाओं के विस्तार न होने के कारण उपलब्ध सुविधाओं पर दिन–प्रतिदिन बढ़ते हुए दबाव को सन्तुलित व व्यवस्थित करने हेतु महायोजना–2031 को तैयार करने की आवश्यकता है महसूस की गयी।

5. शिकोहाबाद नगर पालिका क्षेत्र तथा 57 नये ग्रामों के फिरोजाबाद विनियमित क्षेत्र में सम्मिलित हो जाने तथा इस सम्पूर्ण क्षेत्र को विकास क्षेत्र घोषित किये जाने के फलस्वरूप नये क्षेत्रों में पड़ने वाले प्रभाव तथा भावी विकास की दिशा का आंकलन करने एवं समुचित प्रस्ताव तैयार किया जाना आवश्यक हो गया।

1.5 महायोजना बनाने के उद्देश्य

1. फिरोजाबाद–शिकोहाबाद की नगरीय सीमा के अन्तर्गत विभिन्न भू–उपयोगों के लिए पर्याप्त भूमि को निर्धारित कर विभिन्न भू–उपयोगों के क्रियात्मक सम्बन्धों के आधार पर नगर के भावी, भौतिक विकास के स्वरूप के अनुसार नगर में विभिन्न भू–उपयोगों के युक्ति संगत प्रस्ताव तैयार करना।
2. युक्ति संगत जनसंख्या घनत्व के आधार पर नगर के विभिन्न क्षेत्रों को समुचित रूप से समायोजित करना।
3. वर्तमान में हो रहे अनियोजित विकास/ निर्माणों को नियोजित कर भावी विकास हेतु एक सुनियोजित दिशा व मार्गदर्शन प्रदान करना।
4. नगर के संतुलित विकास हेतु विभिन्न आय वर्गों के लिए भावी आवासीय व विभिन्न क्षेत्रों में सामुदायिक सुविधाओं, उपयोगिताओं एवं सेवाओं का प्राविधान करना।
5. नगर में यातायात एवं परिवहन के सुगम एवं सुचारु व्यवस्था के प्राविधान के साथ औद्योगिक एवं व्यावसायिक क्षेत्रों का इस प्रकार प्राविधान करना जिससे नगर के सामाजिक, आर्थिक ढ़ॉचे के अन्तर्गत इन क्षेत्रों का आपस में सम्पर्क बना रहे।
6. नगर के वर्तमान तथा भावी विकासशील क्षेत्रों में उपयुक्त मार्गों का प्राविधान करना।
7. नगर तथा नगर के संलग्न वाह्य क्षेत्रों में होने वाले अनियोजित एवं अनियंत्रित विकास को रोकना तथा भावी सुनियोजित विकास हेतु दिशा निर्दिष्ट करना।
8. उत्तम कृषि भूमि को मनमाने ढ़ंग से अन्य उपयोगों में परिवर्तन से रोकना।
9. नगर में मनोरंजनात्मक क्रियायें तथा खुले स्थलों हेतु उचित प्राविधान करना तथा ऐसे विद्यमान स्थलों को संरक्षित करना जो न केवल पर्यावरण के दृष्टिकोंण से वरन् नागरिकों हेतु एक शुद्ध संतुलित वातावरण मुहैय्या कराने के उद्देश्य से आवश्यक है।
10. नगर के प्राचीन धार्मिक सॉस्कृतिक व पुरातात्विक भवन/स्थल/परिसरों को सुरक्षित व संरक्षित किया जाना तथा धरोहर क्षेंत्र को चिन्हित कर उनमें आवश्यक विकास नियंत्रण सम्बन्धी व्यवस्था लागू करना।
11. भारत सरकार व राज्य सरकार की नीतियों को समाविष्ट करते हुए उन्हें प्रभावी रूप से क्रियान्वित कराये जाने में सहायक बनना।

फिरोजाबाद महायोजना–2001 का मूल्यांकन

अध्याय–2

2.0 जनसंख्या प्रक्षेपण

फिरोजाबाद नगर की प्रथम महायोजना–2001 तैयार करने की प्रक्रिया वर्ष 1980 में नगर एवं ग्राम नियोजन विभा द्वारा प्रारम्भ की गई, जिसकी स्वीकृति शासन के आदेश संख्या 2772/37–3–83–49/एन.के.वी./76 दिनांक 1.7.1983 के द्वारा प्रदान की गई।

फिरोजाबाद महायोजना–2001 तैयार करते समय वर्ष 2001 की जनसंख्या 4,00,000 प्रक्षेपित करते हुए अनुमान किया गया। वर्ष 2001 की जनगणना के अनुसार फिरोजाबाद नगर की जनसंख्या वर्ष 2001 में वास्तव में 4,32,866 पायी गयी। अनुमानित जनसंख्या के सापेक्ष वास्तविक जनसंख्या लगभग 33,000 अधिक होने का प्रमुख कारण आस–पास के क्षेत्रों से लोगों का रोजगार की तलाश में यहॉ आना प्रतीत होता है।

2.1 वास्तविक विकास का मूल्यांकन

फिरोजाबाद महायोजना 2001 में वर्ष 2001 तक के लिए अनुमानित 4,00,000 जनसंख्या हेतु 2301 हैक्टेयर भूमि विभिन्न क्रियाओं हेतु प्रस्तावित की गई थी।

महायोजना 2001 में विभिन्न भू–उपयोग हेतु प्रस्तावित की गई भूमि के सापेक्ष 1861.42 हैक्टेयर भूमि वास्तव में विकसित हुई जिसमें 428.67 हैक्टेयर भूमि प्रस्तावित भू–उपयोग के विरुद्ध हुई तथा शेष 1444.16 हैक्टेयर भूमि प्रस्ताव अनुसार विकसित हुई। उपरोक्त के अतिरिक्त महायोजना–2001 में कृषि उपयोग हेतु आरक्षित भूमि में भी विभिन्न क्रियाओं के रूप में कुल 220.77 हैक्टेयर भूमि भू–उपयोग के विपरीत विकसित हुई। इस प्रकार महायोजना प्रस्तावों के विरुद्ध कुल 550.88 हैक्टेयर भूमि अनाधिकृत रूप से भू–उपयोग के विपरीत विकसित हुई जिसमें फिरोजाबाद एवं शिकोहाबाद नगरों के मध्य स्थापित जिला मुख्यालय का स्थल प्रमुख है।

2.2 आवासीय

पूर्व स्वीकृत फिरोजाबाद महायोजना 2001 में सम्पूर्ण आवासीय क्षेत्र को दो भागों में विभक्त किया गया है। प्रथम भाग में नगर का वर्तमान आवासीय क्षेत्र तथा द्वितीय भाग में प्रस्तावित आवासीय क्षेत्र रखा गया है।

वर्ष 1981 की जनगणना के अनुसार फिरोजाबाद नगर की जनसंख्या 2,02,898 थी जिसे प्रक्षेपित कर वर्ष 2001 में 4,00,000 हो जाने का अनुमान किया गया था। इस प्रकार वर्ष 2001 तक जनसंख्या में लगभग 2,00,000 की वृद्धि का अनुमान लगाते हुए तथा वर्ष 1981 में 6,759 आवासीय इकाइयों की कमी को दृष्टिगत

रखते हुए वर्ष 2001 तक प्रति परिवार 5 व्यक्ति के मानक के आधार पर 40,000 आवासीय इकाइयों की अतिरिक्त आवश्यकता का अनुमान किया गया जिसके लिए 925 हैक्टेयर भूमि को अतिरिक्त रूप से प्रस्तावित करने की आवश्यकता पाई गयी।

फिरोजाबाद महायोजना 2001 में वर्तमान निर्मित क्षेत्र के रूप में 525 हैक्टेयर तथा आवासीय उपयोग हेतु 925 हैक्टेयर भूमि प्रस्तावित की गई थी जिसके सापेक्ष वर्तमान निर्मित क्षेत्र में विकास 525 हैक्टेयर हुआ परन्तु नये आवासीय क्षेत्र हेतु आरक्षित 925 हैक्टेयर भूमि के सापेक्ष वास्तव में मात्र 573.81हैक्टेयर भूमि पर आवासीय विकास हो सका तथा 39.43 हैक्टेयर भूमि पर आवासीय के विरुद्ध विकास हुए। इस प्रकार फिरोजाबाद महायोजना 2001 में प्रस्तावित आवासीय भू–उपयोग हेतु आरक्षित भूमि का 33.70 प्रतिशत भाग पर कोई विकास नहीं हो सका जो कि वर्तमान में अविकसित है।

फिरोजाबाद महायोजना 2001 में निर्मित क्षेत्र में 441.46 हैक्टेयर भूमि पर आवासीय विकास हुआ, प्रस्तावित आवासीय भू–उपयोग भूमि पर 556.00 हैक्टेयर भूमि पर आवासीय विकास हुआ तथा महायोजना में प्रस्तावित अन्य भू–उपयोगों के विरुद्ध 380.07 हैक्टेयर भूमि पर भी आवाससीय विकास हुआ।

2.3 केन्द्रीय क्रियाएं

फिरोजाबाद महायोजना 2001 में केन्द्रीय क्रियाएं के रूप में व्यवसायिक, सामुदायिक सुविधाएं, कार्यालय तथा विविध आवश्यकताओं को सम्मिलित किया गया है। व्यवसायिक उपयोग में 83 हैक्टेयर भूमि प्रस्तावित की गयी तथा सामुदायिक सुविधाएं हेतु 45 हैक्टेयर भूमि एवं राजकीय कार्यालयों के लिए 30 हैक्टेयर भूमि प्रस्तावित की गयी है। इस प्रकार केन्द्रीय क्रियाओं हेतु कुल 158 हैक्टेयर भूमि का प्राविधान किया गया। जिसके सापेक्ष वर्तमान में मात्र 69.48 हैक्टेयर भूमि भू–उपयोग के अनुसार विकसित हुई तथा 115.20 हैक्टेयर भूमि पर अन्य क्रियाएं, भू–उपयोग के विरुद्ध के रूप में विकसित हुई जिसमें प्रमुख रूप से आवासीय व औद्योगिक विकास है।

2.4 उद्योग

फिरोजाबाद नगर में अधिकांश औद्योगिक इकाइयॉ कॉच के सामान एवं चूड़ी उद्योग से सम्बन्धित हैं। फिरोजाबाद महायोजना 2001 में उद्योगों हेतु 370 हैक्टेयर भूमि प्रस्तावित की गयी थी जिसमें से 325 हैक्टेयर भूमि उद्योगों के लिए तथा 45 हैक्टेयर भूमि भण्डारण तथा आवश्यक सुविधाओं हेतु निर्धारित की गयी थी जिसके सापेक्ष वास्तव में मात्र 160.43 हैक्टेयर भूमि पर औद्योगिक क्रियाएं विकसित हुई तथा 121.95 हैक्टेयर भूमि पर भू–उपयोग के विरुद्ध विकास हुआ जिसमें प्रमुख रूप से आवासीय विकास हुआ है। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में 45.57 हैक्टेयर भूमि पर विभिन्न प्रकार की औद्योगिक इकाइयॉ वर्तमान निर्मित क्षेत्र में स्थापित हैं। फिरोजाबाद

महायोजना 2001 में प्रस्तावित औद्योगिक भू–उपयोग की भूमि का लगभग 23.68 प्रतिशत भाग पर कोई विकास नहीं हुआ है।

2.5 पार्क एवं क्रीड़ा स्थल

फिरोजाबाद महायोजना 2001 में पार्क एवं क्रीड़ा स्थल हेतु 100 हैक्टेयर भूमि प्रस्तावित की गई थी जिसके सापेक्ष मात्र 3.23 हैक्टेयर भूमि पर महायोजना प्रस्ताव अनुसार विकास हुआ तथा 59.08 हैक्टेयर भूमि पर भू–उपयोग के विरुद्ध विकास हुआ। इस प्रकार महायोजना में प्रस्तावित पार्क एवं क्रीड़ा स्थल भू–उपयोग पर 94.82 प्रतिशत विकास भू–उपयोग के विरुद्ध हुआ जिसमें प्रमुख तौर पर आवासीय प्रकृति के विकास हैं।

2.6 यातायात एवं परिवहन

फिरोजाबाद महायोजना 2001 में यातायात एवं परिवहन के रूप में 32 हैक्टेयर भूमि यातायात नगर एवं 191 हैक्टेयर भूमि पर रेलवे एवं महायोजना मार्ग आदि हेतु आरक्षित की गयी थी। इस प्रकार इस भू–उपयोग में कुल 223 हैक्टेयर भूमि आरक्षित की गयी थी। जिसके सापेक्ष वर्तमान में 159.17 हैक्टेयर भूमि पर महायोजना अनुसार विकास हुआ तथा मात्र 34.64 हैक्टेयर भूमि पर अन्य उपयोग की क्रियाएं विकसित हुईं । इस प्रकार यातायात एवं परिवहन हेतु आरक्षित भूमि के प्रतिशत भाग पर कोई विकास नहीं हो सका जिसमें प्रमुख रूप से महायोजना मार्गों का निर्माण नहीं किया गया। फिरोजाबाद महायोजना 2001 में प्रस्तावित महायोजना मार्गों के निर्माण न किये जाने के फलस्वरूप नगर का विकास महायोजना की अपेक्षानुसार नहीं हो सका।

तालिका संख्या 2.1
फिरोजाबाद महायोजना–2001 की प्रस्तावित भू–उपयोग

क्र.सं.	भू–उपयोग	प्रस्तावित क्षेत्रफल (हैक्टैयर में)		प्रतिश
		क्षेत्रफल का वितरण	कुल क्षेत्रफल	
1.	**आवासीय** (छोटे स्तर की सुविधाएं , सड़क, पार्क, दुकान सहित)		925.0	52.2
2.	**उद्योग** (भण्डार, सड़क तथा छोटे स्तर की सुविधाएं पार्क आदि सहित)		370.0	20.09
3.	वाणिज्य एवं व्यवसाय		83.0	4.7
4.	सामुदायिक सुविधाएं		42.0	2.5
5.	पार्क तथा क्रीड़ा स्थल		100.0	5.6
6.	राजकीय कार्यालय		30.0	1.6
7.	यातायात (महायोजना मार्ग , रेलवे, यातायात नगर)		223.0	12.5
	कुल प्रस्तावित क्षेत्र		**1773.0**	**100.0**
8.	वर्तमान निर्मित क्षेत्र		525.0	–
9.	सीवेज फार्म		310.0	–
	कुल क्षेत्र		**2611.0**	**–**

तालिका संख्या–2.2
फिरोजाबाद महायोजना–2001 में प्रस्तावित भू–उपयोग के विरूद्ध एवं अनुरूप विकास

क्र.सं.	महायोजना–2021 में प्रस्तावित भू–उपयोग	प्रस्तावित क्षेत्रफल	आवासीय	व्यव सायिक	औद्योगिक	कार्यालय	सामु. सुवि धाऐं	मनोरंजन एवं पार्क	यातायात एवं परि.	अन्य	प्रस्ताव के विरूद्ध विकास	प्रस्ताव के अनुरूप विकास	कुल विकसित क्षेत्र
1	आवासीय (छोटे स्तर की केन्द्रीय क्रियाएं अन्य आवासीय सुविधाओं सहित	925.00	556.00	5.01	38.40	0.26	6.40	6.40	–	0.77	39.43	573.81	613.24
2.	वर्तमान निर्मित क्षेत्र	525.00	441.46	4.18	45.57	6.40	27.39	–	–	–	45.57	479.43	525.00
3	उद्योग	370.00	120.93	0.51	159.92	–	1.02	–	–	–	121.95	160.43	282.38
4	केन्द्रीय क्रियाएं	158.00	97.28	17.24	17.92	3.76	48.48	–	–	–	115.20	69.48	184.68
5	यातायात	223.00	28.44	–	5.72	–	0.48	–	159.17	–	34.64	159.17	193.81
6.	पार्क एवं क्रीड़ा स्थल	100.00	59.08	–	–	–	–	3.23	–	–	59.08	3.23	62.31
	योग	2301.00	1303.19	26.94	267.53	10.42	83.77	9.63	159.17	0.77	428.67	1444.16	1861.42
	कृषि		61.44	11.01	22.52	13.64	8.96	1.12	3.52	–	122.21	–	122.21
	सीवेज फार्म	310.00	12.90								12.90		12.90
	सम्पूर्ण योग		1377.53	37.95	290.05	24.06	92.73	10.75	162.69	0.77			1996.53

2.7 फिरोजाबाद महायोजना–2001 में किये गये भू–उपयोग परिवर्तन की स्थिति

तालिका संख्या 2.3
शासन द्वारा फिरोजाबाद महायोजना–2001 अवधि में किये गये भू–उपयोग परिवर्तन

क्र. सं.	स्थल का नाम	क्षेत्रफल हैक्टेयर में	वर्तमान भू–उपयोग	परिवर्तित भू–उपयोग	शासनादेश
1	ग्राम ढ़ोलपुरा	1.13	केन्द्रीय क्रियाएं, हरित पट्टिका, 45मीटर मार्ग	आवासीय	21 अक्टूबर 1989
2	ग्राम रहना	1.63	केन्द्रीय क्रियाएं, हरित पट्टिका, 45मीटर मार्ग, आवासीय	आवासीय	21 अक्टूबर 1989
3	ग्राम रहना	0.57	तदैव	आवासीय	21 अक्टूबर 1989
4	ग्राम रहना	0.68	तदैव	आवासीय	21 अक्टूबर 1989
5	ग्राम रहना	1.53	तदैव	आवासीय	21 अक्टूबर 1989
6	ग्राम रहना	0.56	45मीटर चौड़ा महायोजना मार्ग,	आवासीय	21 अक्टूबर 1989
	कुल	6.1			

तालिका संख्या–2.4
फिरोजाबाद नगर का वर्तमान भू–उपयोग–2010

क्र.सं	भू–उपयोग	कुल क्षेत्रफल हैक्टेयर में	क्षेत्रफल हैक्टेयर में	प्रतिशत
1.	**आवासीय**	**1377.53**		**65.15**
	1. ग्रामीण आबादी		222.46	
	2. आवासीय		1155.07	
2.	**व्यापार एवं वाणिज्य**	**37.95**		**1.79**
	1. थोक व्यापारिक केन्द्र / मण्डी		7.68	
	2. व्यवसायिक		16.70	
	3. पैट्रोल पम्प		1.79	
	4. शीतगृह		2.50	
	5. गोदाम		9.22	
3.	**उद्योग**	**290.05**	290.05	**13.72**
4.	**कार्यालय**	**122.62**	122.62	**5.80**
5.	**सामुदायिक सुविधाएं**	**92.73**		**4.39**
	1. शैक्षिक	**51.19**		
	1.1 इण्टर कॉलेज		26.11	
	1.2 महाविद्यालय		24.06	
	1.3 अन्य विद्यालय (प्राविधिक)		1.02	
	2. स्वास्थ्य सुविधाएं	**14.40**		
	2.1 चिकित्सालय		12.80	
	2.2 नर्सिंग होम		0.58	
	2.3 पशु चिकित्सालय		1.02	
	3. अन्य सुविधाएं	**19.45**		
	3.1 डाकघर		0.2	
	3.2 टेलीफोन सुविधाएं		1.76	
	3.3 पुलिस स्टेशन (थाना)		1.36	
	3.4 सिनेमा हाल		3.33	

	3.5 बरातघर		3.64	
	3.6 फायर स्टेशन		0.20	
	3.7 धार्मिक स्थल (मन्दिर)		8.96	
	4. उपयोगिताएं एवं सेवाएं	**7.68**		
	4.1 विद्युत सब स्टेशन		6.91	
	4.2 जलापूर्ति (जल संस्थान)		0.77	
6.	**यातायात एवं परिवहन**	**162.69**		**7.69**
	1. मार्ग		152.25	
	2. बस अड्डा		0.20	
	3. रेलवे		10.24	
7.	**पार्क एवं क्रीड़ा स्थल**	**10.75**	10.75	**0.51**
8.	**अन्य उपयोग**	**20.19**		**0.95**
	1. बाग		6.40	
	2. नदी		5.60	
	3. शमशान घाट/ कब्रिस्तान		7.42	
	4.. सीवरेज प्लान्ट		0.77	
	योग		**2114.51**	**100%**

तालिका संख्या–2.5
शिकोहाबाद नगर का वर्तमान भू–उपयोग–2010

क्र.सं	भू–उपयोग	कुल क्षेत्रफल हैक्टेयर में	क्षेत्रफल हैक्टेयर में	प्रतिशत
1.	**आवासीय**	**511.48**		**59.63**
	1. ग्रामीण आबादी		180.48	
	2. आवासीय		331.00	
2.	**व्यापार एवं वाणिज्य**	**33.58**		**3.91**
	1. थोक व्यापारिक केन्द्र / मण्डी		7.68	
	2. व्यवसायिक		7.00	
	3. पैट्रोल पम्प		0.77	
	4. शीतगृह		15.57	
	5. गोदाम		2.56	
3.	**उद्योग**	**58.88**	58.88	**6.86**
4.	**कार्यालय**	**13.31**	13.31	**1.55**
5.	**सामुदायिक सुविधाएं**	**71.94**		**8.39**
	1. **शैक्षिक**	**43.01**		
	1.1 इण्टर कॉलेज		18.43	
	1.2 महाविद्यालय		22.02	
	1.3 अन्य विद्यालय (प्राविधिक)		2.56	
	2. **स्वास्थ्य सुविधाएं**	**8.19**		
	2.1 चिकित्सालय		7.68	
	2.2 पशु चिकित्सालय		0.51	
	3. **अन्य सुविधाएं**	**14.85**		
	3.1 टेलीफोन सुविधाएं		7.68	
	3.2 पुलिस स्टेशन (थाना)		0.77	
	3.3 बरातघर		0.26	
	3.4 फायर स्टेशन		1.28	
	3.5 धार्मिक स्थल (मन्दिर)		2.30	

	4. **उपयोगिताएं एवं सेवाएं**	**5.89**		
	4.1 विद्युत सब स्टेशन		5.38	
	4.2 जलापूर्ति (जल संस्थान)		0.51	
6.	**यातायात एवं परिवहन**	**126.78**		**14.78**
	1. मार्ग		73.02	
	2. बस अड्डा		1.28	
	3. रेलवे		52.48	
7.	**पार्क एवं क्रीड़ा स्थल**	**2.56**	2.56	**0.30**
8.	**अन्य उपयोग**	**39.33**		**4.58**
	1. बाग		7.94	
	2. जलाशय		15.87	
	3. नदी		6.56	
	4. शमशान घाट/ कब्रिस्तान		8.96	
	कुल योग	**857.86**		**100.00**

अध्याय–3

3.1 जनसंख्या प्रक्षेपण

शासन द्वारा स्वीकृत फिरोजाबाद महायोजना वर्ष 2001 में फिरोजाबाद नगर की जनसंख्या 4,00,000 अनुमानित की गई थी जिसमें लगभग 3,17,000 जनसंख्या फिरोजाबाद नगरपालिका क्षेत्र एवं लगभग 83,000 जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्र की सम्मिलित की गई थी, जिसके आधार पर विभिन्न क्रियाओं हेतु भू–उपयोग की आवश्यकता का आंकलन कर प्रस्ताव किये गये।

फिरोजाबाद– शिकोहाबाद महायोजना–2031 तैयार करते समय इस क्षेत्र की वर्ष 2031 तक की अनुमानित जनसंख्या की विशिष्टताओं का अध्ययन किये जाने के साथ ही योजनाकाल में जनसंख्या का आकार तथा विशिष्टता का सही अनुमान लगाया गया जिससे कि अनुमानित जनसंख्या के आधार पर नगर का भावी आकार व विभिन्न भू–उपयोगों हेतु भूमि की आवश्यकता आदि का सही अनुमान लगाया जा सके।

जनसख्या का पूर्वानुमान किया जाना अत्यन्त जटिल कार्य है। जनसंख्या की वृद्धि अपनी स्वभाविक वृद्धि, जो कि जन्म मृत्यु दर पर आधारित होती है तथा जनसंख्या के प्रवसन प्रवृत्ति द्वारा निर्धारित की जाती है। किसी भी नगर में जनसंख्या का प्रवसन उस नगर की आर्थिक एवं सामाजिक विकास पर निर्भर करता है। औद्योगीकरण के कारण नगर की जनसंख्या में वृद्धि होती है जो कि आस–पास के क्षेत्रों से आने वाली जनसंख्या के कारण होती है। जनसंख्या का पूर्वानुमान उपरोक्त ऑकड़ों के आधार पर किया जाये तो सही अनुमानित किया जा सकता है। फिरोजाबाद नगर ताज ट्रिपेजियम क्षेत्र में आता है जहॉ पर मात्र प्रदूषण रहित उद्योग ही स्थापित किये जा सकते हैं। शिकोहाबाद नगर का ताज ट्रेपेजियम क्षेत्र से बाहर होने के कारण वृहद् उद्योग के वहॉ पर स्थापित होने की सम्भावना बढ़ गई है।

फिरोजाबाद–शिकोहाबाद नगर की भावी जनसंख्या का निर्धारण विभिन्न गणितीय तथा सॉख्यकीय विधियों के आधार पर किया गया है। जनसंख्या का भावी प्रक्षेपण करने में कुछ प्रचलित विधियों को अपनाया गया है। इन विधियों में पिछले दशकों में जनसंख्या की वृद्धि दर को आधार मानकर भावी जनसंख्या का अनुमान किया गया है। फिरोजाबाद–शिकोहाबाद नगरों की जनसंख्या वृद्धि 1911 से 2001 तक निम्नलिखित तालिका संख्या 3.1 व 3.2 में दर्शायी गयी है।

शासन द्वारा स्वीकृत फिरोजाबाद महायोजना 1979–2001 मे फिरोजाबाद नगरपालिका सीमा की जनसंख्या जो 3,17,000 अनुमानित की गई थी जो कि वास्तव में वर्ष 2001 की जनगणना के अनुसार 2,79,102 पायी गयी तथा फिरोजाबाद नगरपालिका सीमा तथा उसके बाहर बसी आबादी की जनसंख्या एवं सुखमलपुर निजामाबाद की जनसंख्या को सम्मिलित करते हुए वर्ष 2001 की जनगणना के

अनुसार सम्पूर्ण फिरोजाबाद नगरीय एग्लोमरेशन की जनसंख्या 4,32,866 थी। उपरोक्त तालिका संख्या 3.1 से स्पष्ट है कि फिरोजाबाद नगर की दशकवार जनसंख्या वृद्धि निरन्तर वर्ष 1981 तक बढ़ती रही है तथा उसके पश्चात् वर्ष 1991 में वृद्धि दर की प्रतिशत में गिरावट हुई जो कि 30.61 प्रतिशत थी। इसके पश्चात् वर्ष 2001 में दशकीय वृद्धि दर में पुनः वृद्धि हुई जो कि 60.0 प्रतिशत थी।

इस नगर में निरन्तर हो रही जनसंख्या वृद्धि का प्रमुख कारण नगर का चूडी उद्योग के रूप में एक प्रमुख केन्द होना है जो कि रोजगार के अवसर का प्रमुख स्रोत है तथा जिसके फलस्वरूप रोजगार की तलाश में आस–पास की जनता द्वारा पलायन किया जा रहा है। उक्त वृद्धि में गिरावट मात्र वर्ष 1991 की जनगणना में देखा जा सकता है जिसका प्रमुख कारण फिरोजाबाद नगर के ताज ट्रेपेजियम क्षेत्र में सम्मिलित होने के फलस्वरूप वृहद् एवं प्रदूषणकारी उद्योगों में लगे प्रतिबन्ध हैं जिसके फलस्वरूप ऊर्जा के स्रोत के विकल्प तलाशने में चूड़ी उद्योग में उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा एवं रोजगार के अवसर प्रभावित हुए।

शिकोहाबाद नगर का फिरोजाबाद नगर के निकट होने के फलस्वरूप फिरोजाबाद नगर में उद्योगों के उत्पादन में हुए प्रभाव शिकोहाबाद पर भी पड़ा जो तालिका संख्या 3.2 से स्पष्ट होता है।

तालिका संख्या –3.1

फिरोजाबाद एम.बी.,ओ.जी. एवं सुखमलपुर निजामाबाद नगर की दशकवार जनसंख्या वृद्धि

वर्ष	जनसंख्या	दशकान्तर वृद्धि	प्रतिशत वृद्धि
1	2	3	4
1901	16849	–	–
1911	13571	–3278	–19.45
1921	20183	+6612	+48.72
1931	23154	+2971	+14.72
1941	40572	+17418	+75.23
1951	65438	+24866	+61.29
1961	98611	+33173	+50.69
1971	1,33,863	+35252	+35.75
1981	2,07,135	+73272	+54.74
1991	2,70,534	+63399	+30.61
2001	4,32,866	+1,62,332	+60.00

स्रोत– जनगणना हस्तपुस्तिका एवं एन.आई.सी कार्यालय द्वारा उपलब्ध कराये गये जनसंख्या के ऑकड़े

तालिका संख्या –3.2
शिकोहाबाद नगर की दशकवार जनसंख्या वृद्धि

वर्ष	जनसंख्या	दशकान्तर वृद्धि	प्रतिशत वृद्धि
1	2	3	4
1901	10798	–	–
1911	11383	+585	+5.41
1921	10374	–1009	–8.86
1931	11865	+1491	+14.37
1941	14061	+2196	+18.50
1951	19502	+5441	+38.69
1961	28458	+8956	+45.92
1971	31442	+2984	+10.48
1981	47083	+15641	+49.77
1991	63240	+16157	+34.31
2001	88161	+24921	+39.40

स्रोतः– जनगणना हस्तपुस्तिका एवं एन.आई.सी. कार्यालय द्वारा उपलब्ध कराये गये जनसंख्या के ऑकड़े।

फिरोजाबाद–शिकोहाबाद विकास क्षेत्र का गठन शासनादेश संख्या 1053/9–आ–5– 95–डी.ए./91 दिनांक 7.4.1995 द्वारा वर्ष 1995 में किया गया है जिसमें फिरोजाबाद विनियमित क्षेत्र में पड़ने वाले फिरोजाबाद नगरपालिका क्षेत्र एवं उसके समीपवर्ती 53 ग्रामों के अतिरिक्त शिकोहाबाद नगरपालिका क्षेत्र एवं 57 नये ग्रामों को सम्मिलित किया गया। इस प्रकार , फिरोजाबाद– शिकोहाबाद विकास क्षेत्र में फिरोजाबाद एवं शिकोहाबाद नगरपालिका परिषद् क्षेत्र एवं इनके समीपवर्ती 110 ग्राम सम्मिलित हैं। शिकोहाबाद की जनसंख्या वर्ष 2001 की जनगणना के अनुसार 88,161 थी जो उपरोक्त तालिका संख्या 3.2 से स्पष्ट है। शिकोहाबाद नगर की दशकवार जनसंख्या वृद्धि निरन्तर वर्ष 1981 तक बढ़ती रही है जो कि फिरोजबाद नगर की भॉति वर्ष 1991 में घटने के बाद वर्ष 2001 में पुनः वृद्धि का संकेत दिया है।

उपरोक्त को दृष्टिगत रखते हुए फिरोजाबाद एवं सुखमलपुर निजामाबाद व शिकोहाबाद नगरीय एवं ग्रामीण जनसंख्या का भावी प्रक्षेपण तालिका संख्या 3.3, 3.4, 3.5 में दर्शाया गया है।

तालिका संख्या –3.3

फिरोजाबाद एम.बी.,ओ.जी. +सुखमलपुर निजामाबाद नगर का जनसंख्या प्रक्षेपण

क्र.सं.	विधि	वर्ष 2011	वर्ष 2021	वर्ष 2031
1.	अंकगणितीय विधि	545731	658596	771461
2.	ज्योमेट्रिकल इन्क्रीज मैथड	628954	913870	1327853
3.	इन्क्रीमेंटल इन्क्रीज मैथड	644664	743597	842530
4.	सैकेन्ड डिग्री पैरावोला	834859	1307919	1780979
5.	ज्योमैट्रिकल एक्स्ट्रा पॉपूलेशन मैथड	688256	1151423	2268217
6.	एक्स्ट्रा पॉपूलेशन वॉय मीन ऑफ ज्योमैट्रिकल रेशियो	627655	822445	1017235
	योग	3970119	5597850	8008275
	औसत	661686	932975	1334712

तालिका संख्या –3.4

शिकोहाबाद नगर का जनसंख्या प्रक्षेपण

क्र.सं.	विधि	वर्ष 2011	वर्ष 2021	वर्ष 2031
1.	अंकगणितीय विधि	108700	129239	149778
2.	ज्योमेट्रिकल इन्क्रीज मैथड	120648	165106	225947
3.	इन्क्रीमेंटल इन्क्रीज मैथड	117464	126228	134992
4.	सैकेन्ड डिग्री पैरावोला	165935	228923	291911
5.	ज्योमैट्रिकल एक्स्ट्रा पॉपूलेशन मैथड	127833	191309	305918
6.	एक्स्ट्रा पॉपूलेशन वॉय मीन ऑफ ज्योमैट्रिकल रेशियो	119898	151636	183374
	योग	760478	992441	1291920
	औसत	126746	165406	215320

तालिका संख्या –3.5

फिरोजाबाद–शिकोहाबाद विकास क्षेत्र में सम्मिलित ग्रामों का जनसंख्या प्रक्षेपण

क्र.सं.	विधि	वर्ष 2011	वर्ष 2021	2031
1.	अंकगणितीय विधि	323754	381534	439314
2.	ज्योमेट्रिकल इन्क्रीज मैथड	355048	473953	632679
3.	इन्क्रीमेंटल इन्क्रीज मैथड	373723	423692	473661
4.	सैकेन्ड डिग्री पैरावोला	472114	712601	953088
5.	ज्योमैट्रिकल एक्स्ट्रा पॉपूलेशन मैथड	372363	531948	800581
6.	एक्स्ट्रा पॉपूलेशन वॉय मीन ऑफ ज्योमैट्रिकल रेशियो	353744	441516	529288
	योग	2250746	2965244	3828611
	औसत	375124	494207	638101

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट होता है कि वर्ष 2031 तक फिरोजाबाद एवं शिकोहाबाद नगरों की जनसंख्या लगभग क्रमशः 13.35 लाख एवं 2.15 लाख होने का अनुमान है। उपरोक्त के अतिरिक्त फिरोजाबाद–शिकोहाबाद विकास क्षेत्र में पड़ने वाले ग्रामों की जनसंख्या लगभग 6.38 लाख होने का अनुमान है जिसमें से लगभग 1.75 लाख जनसंख्या के नगरीय क्षेत्र में सम्मिलित हो जाने की सम्भावना है। उक्त को दृष्टिगत रखते हुए वर्ष 2031 तक फिरोजाबाद एवं शिकोहाबाद नगरीय जनसंख्या लगभग क्रमशः 14.55 लाख एवं 2.70 लाख होने का अनुमान है।

3.2 आवास

प्रदेश के अन्य नगरों की भॉति फिरोजाबाद व शिकोहाबाद नगर भी आवासीय समस्या से

ग्रसित हैं। यह समस्या मात्र आवासीय इकाइयों की कमी से ही सम्बन्धित नहीं है बल्कि आवास की भौतिक स्थिति, आवासीय सघनता, खुले स्थानों का अभाव तथा वातावरण आदि से भी सम्बन्धित है। फिरोजाबाद नगर का आवासीय क्षेत्रफल वर्ष 1979 में 268.0 हैक्टेयर था जो नगर के विकसित क्षेत्र का 53.2 प्रतिशत था। वर्ष 2010 में फिरोजाबाद नगर के अन्तर्गत आच्छादित आवासीय क्षेत्रफल 1377.53 हैक्टेयर एवं शिकोहाबाद का आवासीय क्षेत्रफल 511.48 हैक्टेयर है कुल विकसित क्षेत्र का क्रमशः 65.15 एवं 59.63 प्रतिशत है। फिरोजाबाद नगर में 1377.53 हैक्टेयर भू–भाग पर हुए आवासीय विकास कार्य में से 997.46 हैक्टेयर विकास फिरोजाबाद महायोजना–2001 के अनुसार हुआ तथा शेष 380.07 हैक्टेयर भू–भाग पर आवासीय विकास महायोजना में प्रस्तावित भू–उपयोग के विपरीत हुआ है।

फिरोजाबाद नगर का मुख्य आवासीय क्षेत्र मुख्यतः उत्तर में बाईपास रोड तथा दक्षिण में रेलवे लाइन के मध्य फैले हुए हैं। बाईपास रोड के उत्तर में भी कोटला रोड तथा आगरा रोड के मध्य वर्तमान काल में आवासीय विकास हुआ है। नगर में सर्वाधिक घने बसे हुए पुराने आवासीय क्षेत्र नगर के मध्य भाग में स्थित हैं जो कि उत्तर में सर्कुलर रोड, पश्चिम में जलेसर रोड, दक्षिण में नाला जोशियान तथा पूर्व में मैनपुरी गेट नाला से सीमाबद्ध है। यह क्षेत्र पूर्णतः निर्मित है जहॉ छोटे–छोटे अति संकुलित आवास हैं। यहॉ पर खुले स्थलों का अभाव है तथा अन्धेरी व संकरी गलियों का जालनुमा यातायात व्यवस्था है जिनमें अधिकांश मार्गों की चौड़ाई 10 फीट तक सीमित है।

शिकोहाबाद नगर का मुख्य आवासीय क्षेत्र मुख्यतः उत्तर में बाईपास रोड तथा दक्षिण में रेलवे लाइन के मध्य फैला हुआ है। बाईपास रोड के उत्तर में एटा रोड, मैनपुरी एवं मुस्तफाबाद तथा पूर्व में इटावा रोड पर भी आवासीय विकास हुए हैं। इस नगर के पुराने भाग में गलियॉ संकरी हैं जिनकी चौड़ाई 12 फीट से अधिक नहीं है।

3.2.1 परिवार का औसत आकार

फिरोजाबाद–शिकोहाबाद नगरों में वर्ष 1981 एवं वर्ष 2001 में परिवारों का औसत आकार तालिका संख्या 3.6 में दिया गया है जिससे स्पष्ट होता है कि परिवार का औसत आकार वर्ष 1981 के सापेक्ष वर्ष 2001 में फिरोजाबाद में 6.34 से 7.1 व सुखमलपुर निजामाबाद में 5.74 से बढ़कर 6.5 एवं शिकोहाबाद में 6.04 से बढ़कर 6.4 हुआ है। इस प्रकार इन नगरों में परिवार का औसत आकार निरन्तर बढ़ता जा रहा है जिसका प्रमुख कारण नगर में ग्लास/चूड़ी उद्योग में लगे हुए लेबर क्लास के श्रमिकों में पारिवारिक आय के स्रोतों में वृद्धि लाये जाने के उद्देश्य से परिवार नियोजन के प्रति उनकी उदासीनता प्रतीत होती है।

तालिका संख्या 3.6
परिवार का औसत आकार

क्र.सं.	नगर का नाम	कुल परिवार (वर्ष 2001)	परिवार का औसत आकार (1981)	परिवार का औसत आकार (2001)	अनुमानित परिवार का औसत आकार (2031)
1.	फिरोजाबाद ओ.जी.	56198	6.34	7.1	5.0
2.	सुखमलपुर निजामााबाद	5427	5.74	6.5	5.0
3.	शिकोहाबाद	13281	6.04	6.4	5.0

3.2.2 परिवार एवं आवासीय इकाइयॉ

वर्ष 2001 की जनगणना के अनुसार फिरोजाबाद–शिकोहाबाद नगर में कुल आवासीय इकाइयॉ क्रमशः 55,563 एवं 11,953 थी जबकि कुल परिवारों की संख्या क्रमशः 61,625 एवं 13,281 थी। इन नगरों में वर्ष 2031 तक औसत परिवार का आकार 5 व्यक्ति प्रति परिवार के मानक के आधार पर कुल परिवारों की संख्या 2,91,000 एवं 54,000 अनुमानित की गयी है एवं वर्ष 2031 तक अतिरिक्त आवासीय इकाई की संख्या क्रमशः 2,37,201 एवं 42,406 अनुमानित की गई है जिसका विवरण तालिका संख्या 3.7 एवं 3.8 में दर्शाया गया है।

तालिका संख्या 3.7

फिरोजाबाद

वर्ष 2031 तक अनुमानित परिवार की संख्या एवं आवासीय इकाइयों की संख्या

क्र.सं.	विवरण	वर्ष 2001	वर्ष 2031
1.	जनसंख्या	4,32,866	14,55,000
2.	अतिरिक्त जनसंख्या	————	—————
3.	परिवार का औसत आकार	6	5
4.	कुल परिवार	61,625	2,91,000
5.	वर्तमान आवासीय इकाइयॉ	55,463 (अनुमानित)	———
6.	वर्तमान में आवासीय इकाइयों की कमी	6162	————
7.	वर्तमान में जीर्ण शीर्ण अवस्था में आवासीय इकाई (कुल इकाई का 3 प्रतिशत इकाई जीर्ण शीर्ण अवस्था में होने का अनुमान करते हुए)	1664	————
8.	वर्तमान में कुल आवासीय इकाईयों की कमी (6 + 7)	7826	7826
9.	वर्ष 2021 तक अतिरिक्त परिवार	———	2,29,375
10.	वर्ष 2021 तक कुल अतिरिक्त आवासीय इकाईयों की आवश्यकता (8 + 9)	———	2,37,201

तालिका संख्या 3.8
शिकोहाबाद
वर्ष 2031 तक अनुमानित परिवार की संख्या एवं आवासीय इकाइयों की संख्या

क्र.सं.	विवरण	वर्ष 2001	वर्ष 2031
1.	जनसंख्या	88,161	2,70,000
2.	अतिरिक्त जनसंख्या	———	———
3.	परिवार का औसत आकार	6	5
4.	कुल परिवार	13,281	54,000
5.	वर्तमान आवासीय इकाइयॉ	11,953 (अनुमानित)	———
6.	वर्तमान में आवासीय इकाइयों की कमी	1328	———
7.	वर्तमान में जीर्ण शीर्ण अवस्था में आवासीय इकाई (कुल इकाई का 3 प्रतिशत इकाई जीर्ण शीर्ण अवस्था में होने का अनुमान करते हुए)	359	———
8.	वर्तमान में कुल आवासीय इकाईयों की कमी (6 + 7)	1687	1687
9.	वर्ष 2021 तक अतिरिक्त परिवार	———	40,719
10.	वर्ष 2021 तक कुल अतिरिक्त आवासीय इकाईयों की आवश्यकता (8 + 9)	———	42,406

3.2.3 जनसंख्या घनत्व

वर्ष 1979 में फिरोजाबाद नगर की जनसंख्या घनत्व 215 व्यक्ति प्रति हैक्टेयर था जो वर्ष 2001 में भी 215 व्यक्ति प्रति हैक्टेयर रही जबकि शिकोहाबाद नगर की वर्ष 2001 में जनसंख्या घनत्व 103 व्यक्ति प्रति हैक्टेयर थी। उक्त से स्पष्ट है कि फिरोजाबाद नगर में विगत दशकों में जनसंख्या घनत्व में कोई कमी नहीं हुई जो कि उक्त नगर की सामाजिक परिस्थितियों को परिलक्षित करता है जिससे नगर में आम जनसंख्या द्वारा सुरक्षा एवं निशचिन्ता की दृष्टि से एक सघन वातावरण में रहने पर

वरीयता दिया जाता है। उक्त के अतिरिक्त इस क्षेत्र में व्यवसायिक एवं अन्य आर्थिक क्रिया–कलाप का केन्द्रित होना भी फिरोजाबाद नगर में जनसंख्या घनत्व का अधिक होना भी एक प्रमुख कारण है।

इन नगरों में प्रमुख रूप से पर्याप्त मात्रा में पार्क एवं खुले स्थल का अभाव तथा समुचित एवं उच्च स्तर के सामुदायिक एवं सार्वजनिक सुविधाओं की अनुउपलब्धता भी नागरिकों की जीविका के वातावरण पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है तथा नगरों के सघन आवासीय क्षेत्रों में निषिद्ध भू–उपयोग एवं विकास की अधिक तीव्रता के कारण यातायात की समस्या भी निरन्तर बढ़ती जा रही है।

3.2.4 निर्मित क्षेत्र

शासन द्वारा पूर्व में स्वीकृत फिरोजाबाद महायोजना–2001 में निर्मित क्षेत्र के अन्तर्गत 525 हैक्टेयर भूमि आरक्षित की गई थी जिसमें से 441.46 हैक्टेयर भूमि रिहायशी उपयोग में लायी जा रही है तथा शेष भूमि कार्यालय, शुद्ध व्यवसाय, अस्पताल, औद्योगिक आदि अरिहायशी उपयोग के रूप में विद्यमान है।

प्रस्ताव

1. निर्मित यूज जोन के प्रमुखतः आवासीय स्वरूप को यथावत रखने के लिए फिरोजाबाद–शिकोहाबाद महायोजना–2031 में निर्मित क्षेत्र को निर्मित क्षेत्र (नगरीय) यूज जोन से नामंकित किया गया है।

2. निर्मित क्षेत्र में विद्यमान सभी थोक मण्डियों को बाहरी क्षेत्र में स्थानान्तरित करते हुए तथा इस प्रकार रिक्त पड़ने वाले स्थलों पर सुव्यवस्थित रूप से पार्किंग आदि सेवाओं एवं सुविधायें मुहैय्या कराते हुए मात्र रिटेल आउटलेट (फुटकर दुकान) के रूप में विकसित किये जाने का प्रस्ताव है। 0.4 अथवा उससे अधिक खुले क्षेत्रों को यथावत् नियोजित खुले क्षेत्र के रूप में विकसित किये जाने का प्रस्ताव है जहॉ पर पार्किंग, पुलिस चौकी, बाल उद्यान, प्राधिकरण बोर्ड के अनुमोदन पर अनुमन्य किये जा सकेंगे।

3. निर्मित क्षेत्र (नगरीय) भू–उपयोग में फुटकर व्यवसाय मात्र भूतल पर प्रस्तावित बाजार स्ट्रीट पर प्रस्तावित किया जा सकेगा।

3.2.5 भू–उपयोग के विरुद्ध किये गये निर्माण के सम्बन्ध में नीति

शासन द्वारा स्वीकृत फिरोजाबाद महायोजना–2001 में प्रस्तावित विभिन्न भू–उपयोगों के विरुद्ध किया गया निर्माण/विकास की सूची प्राधिकरण द्वारा तैयार की गयी है। उक्त सूची से स्पष्ट है कि महायोजना के प्रस्ताव के विरुद्ध अधिकांशतः निर्माण कृषि भूमि, पार्क, सीवेज फार्म, उद्योग महायोजना मार्गों आदि भू–उपयोग पर हुआ है। ऐसे सभी अनाधिकृत निर्माण कार्य नगर के भावी विकास की दिशा पर प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं जिससे नगरीय सीमा के अन्तर्गत विभिन्न क्रियाओं हेतु

प्रस्तावित भूमि का उचित उपयोग नहीं हो पाता एवं नगर में आवश्यक सुविधाओं एवं सेवाओं का संतुलित एवं नियोजित विकास प्रभावित होता है।

प्रस्ताव

1. फिरोजाबाद महायोजना–2001 में भू–उपयोग के विरुद्ध किये गये विकास कार्य/ निर्माण कार्य को गुण व दोष के आधार पर जहॉ तक सम्भव हो महायोजना–2031 को अन्तिम रूप देते समय इस प्रतिबन्ध के साथ समायोजित किये जाने पर विचार किया जा सकेगा कि अनाधिकृत कालोनी/ विकास कार्य/ निर्माणों को शासन द्वारा जारी किये गये गाइड लाइन्स के अनुसार नियमित करने से पूर्व सम्बधित कोलोनाइजर/ भवन मालिक से भू–उपयोग परिवर्तन शुल्क प्राधिकरण कोष में जमा कराया जाये जो कि सामान्य रूप से निम्न उपयोग से उच्च उपयोग में परिवर्तन के लिए शासन द्वारा निर्धारित किये गये निर्देशों के अनुसार देय होता है। ऐसे अनाधिकृत विकास कार्य/ निर्माण जो कि पार्क एवं सीवेज फार्म में हुए हैं अथवा जो कि समायोजित नहीं किये गये हैं पर नियमानुसार कार्यवाही किया जाना प्रस्तावित है। इस सम्बन्ध में निर्णय महायोजना–2031 को अन्तिम रूप देते समय प्राधिकरण बोर्ड द्वारा किया जाना प्रस्तावित है।

2. नगर की पुरानी महायोजना के अनुसार स्वीकृत किये गये भवन मानचित्र व विन्यास मानचित्र जिनकी भूमि का उपयोग फिरोजाबद– शिकोहाबाद महायोजना–2031 (प्रारूप) में स्वीकृति के अनुसार निर्माण/विकास की अनुमति बनी रहेगी तथा नये प्रस्ताव प्रभावी नहीं माने जायेंगे।

3.2.6 प्रक्षेपित परिवार एवं आवासीय भूमि की आवश्यकता

वर्ष 2031 के लिए फिरोजाबाद– शिकोहाबाद नगर एवं आस–पास की ग्रामीण जनसंख्या जो कि भावी नगरीय क्षेत्र में सम्मिलित हो जायेंगी को 17,25,000 प्रक्षेपित की गई है। प्रक्षेपित जनसंख्या के आधार पर 5 व्यक्ति प्रति परिवार के मानक को आधार मानते हुए वर्ष 2031 तक फिरोजाबाद एवं शिकोहाबाद नगरों में क्रमशः 2,91,000 एवं 54,000 परिवार हो जाने का अनुमान लगाया गया है। फिरोजाबाद एवं शिकोहाबाद नगर में वर्ष 2031 तक प्रक्षेपित अतिरिक्त होने वाले परिवारों की संख्या के अनुसार आवासीय उपयोग हेतु आवश्यक भूमि का आंकलन तालिका संख्या 3.9 एवं 3.10 में दर्शाया गया है।

आवासीय उपयोग का आंकलन न केवल नगरों की अनुमानित भावी जनसंख्या पर आधारित होता है वरन् नगर में हो रहे क्रियाएं, आर्थिक आधार, विभिन्न श्रेणियों में कार्यरत श्रमिकों की संख्या, सामाजिक परिस्थिति पर भी निर्भर करता है। तालिका संख्या 3.11 एवं 3.12 में फिरोजाबाद एवं शिकोहाबाद नगरों हेतु दिये गये श्रमिकों का विवरण का अवलोकन करने से स्पष्ट होता है कि जहॉ फिरोजाबाद नगर में 60.5 प्रतिशत श्रमिक द्वितीय श्रेणी तथा 38.58 प्रतिशत श्रमिक तृतीय श्रेणी के व्यवसाय में

कार्यरत हैं वहीं शिकोहाबाद नगर में फिरोजाबाद नगर के विपरीत मात्र 30 प्रतिशत श्रमिक द्वितीय श्रेणी एवं 65 प्रतिशत श्रमिक तृतीय श्रेणी के व्यवसाय में कार्यरत हैं।

उक्त से स्पष्ट है कि फिरोजाबाद नगर एक ग्लास एवं चूडी उद्योग का केन्द्र होने के कारण यहॉ पर द्वितीय श्रेणी के व्यवसाय में कार्यरत श्रमिकों की संख्या शिकोहाबाद नगर की तुलना में दोगुना अधिक है जिसके फलस्वरूप आर्थिक दृष्टि से कमजोर आय वर्ग एवं निम्न आय वर्ग के परिवारों की संख्या लगभग 80 प्रतिशत है जबकि यह संख्या शिकोहाबाद में 55 प्रतिशत है। इसी प्रकार फिरोजाबाद नगर में जहॉ मध्य एवं उच्च आय वर्ग में लगभग 20 प्रतिशत परिवार हैं वहीं यह संख्या शिकोहाबाद नगर में लगभग 45 प्रतिशत है।

उपरोक्त के अतिरिक्त फिरोजाबाद नगर में ग्लास एवं चूड़ी उद्योग में कार्यरत परिवारो के आपस में परनिर्भरता के फलस्वरूप एक भवन में एक से अधिक परिवारों के रहने की स्थिति पायी गई। उपरोक्त सभी ऑकड़ों को ध्यान में रखते हुए दोनों नगरों की वर्ष 2031 तक के लिए आवासीय आवश्यकता का आंकलन किया गया है।

तालिका संख्या 3.9

फिरोजाबाद नगर हेतु विभिन्न आय वर्गों के लिए आवासीय भूमि की अतिरिक्त आवश्यकता

क्र.सं.	आय वर्ग	प्रतिशत	वर्ष 2021 तक कुल अतिरिक्त आवासीय इकाइयों की कमी	भूखण्ड का क्षेत्रफल (वर्गमीटर)	औसत आवासीय इकाइयों की संख्या प्रति भूखण्ड	कुल अनुमानित प्लाटेड एरिया (हैक्टेयर)	कुल आवासीय क्षेत्र का प्रतिशत	कुल क्षेत्रफल हैक्टेयर में
1.	आर्थिक दृष्टि से कमजोर आय वर्ग	40%	94,880	40	1.0	379.52	55%	690.04
2.	निम्न आय वर्ग	40%	94,880	75	2.0	355.80	55%	646.91
3.	मध्य आय वर्ग	15%	35,580	150	2.0	266.85	50%	533.70
4.	उच्च आय वर्ग	5%	11,861	250	2.0	148.26	50%	296.52
	योग		**2,37,201**					**2167.17**

तालिका संख्या 3.10
शिकोहाबाद नगर हेतु विभिन्न आय वर्गों के लिए आवासीय भूमि की अतिरिक्त आवश्यकता

क्र.सं.	आय वर्ग	प्रतिशत	वर्ष 2021 तक कुल अतिरिक्त आवासीय इकाइयों की कमी	भूखण्ड का क्षेत्रफल (वर्गमीटर)	औसत आवासीय इकाइयों की संख्या प्रति भूखण्ड	कुल अनुमानित प्लाटेड एरिया (हैक्टेयर)	कुल आवासीय क्षेत्र का प्रतिशत	कुल क्षेत्रफल हैक्टेयर में
1.	आर्थिक दृष्टि से कमजोर आय वर्ग	25%	10,601	40	1.0	42.40	55%	77.10
2.	निम्न आय वर्ग	30%	12,722	75	1.0	95.42	55%	173.49
3.	मध्य आय वर्ग	35%	14,842	150	1.0	222.63	50%	445.26
4.	उच्च आय वर्ग	10%	4,241	250	2.0	53.01	50%	106.03
	योग		**2,37,201**					**801.88**

3.2.7 प्रस्ताव

वर्तमान में फिरोजाबाद एवं शिकोहाबाद नगरों में तालिका संख्या 2.2 के अनुसार आवासीय क्रियाएं हेतु क्रमशः 1377.53 हैक्टेयर एवं 511.48 हैक्टेयर भूमि उपयोग में लायी जा रही है। उपरोक्त के अतिरिक्त फिरोजाबाद एवं शिकोहाबाद नगरों हेतु क्रमशः 2066.83 हैक्टेयर एवं 803.34 हैक्टेयर भूमि आवासीय उपयोग हेतु अतिरिक्त रूप में आरक्षित की गयी है। इस प्रकार फिरोजाबाद–शिकोहाबाद महायोजना–2031 में फिरोजाबाद एवं शिकोहाबाद नगरों के लिए कुल क्रमशः 3444.36 हैक्टेयर एवं 1314. 82 हैक्टेयर भूमि आवासीय उपयोग हेतु प्रस्तावित की गयी है जिसे कि निम्न तीन श्रेणियों में विभक्त किया गया है।

1– ग्रामीण आबादी

वर्तमान में ग्रामीण आबादी के रूप में फिरोजाबाद एवं शिकोहाबाद नगरीय क्षेत्र में क्रमशः 222.40 हैक्टेयर एवं 180.48 हैक्टेयर भूमि विद्यमान है जिसे कि मानचित्र में दर्शाया गया है। फिरोजाबाद–शिकोहाबाद विकास क्षेत्र में पड़ने वाले

समस्त ग्रामों की ग्रामीण आवादी की जनसंख्या वर्ष 2031 तक लगभग 6,38,000 होने का अनुमान है जिसमें से लगभग 1,75,000 जनसंख्या प्रस्तावित नगरीय विस्तार के फलस्वरूप नगरीय क्षेत्र में सम्मिलित हो जाने का अनुमान किया गया है तथा शेष लभग 4,63,000 जनसंख्या प्रस्तावित नगरीय क्षेत्र से बाहर पड़ने वाले ग्रामीण आबादी में बनी रहेंगी।

2– निर्मित क्षेत्र (उच्च घनत्व)

फिरोजाबाद–शिकोहाबाद महायोजना–2031 के प्रस्ताव में नगर के पुराने घने बसे हुए क्षेत्र को निर्मित क्षेत्र (उच्च घनत्व) भू–उपयोग के रूप में आरक्षित किया गया है। फिरोजाबाद एवं शिकोहाबाद नगरों में निर्मित क्षेत्र के रूप में क्रमशः 525 हैक्टेयर एवं 487.94 हैक्टेयर भूमि प्रस्तावित है जहॉ सकल आवासीय घनत्व 500 व्यक्ति प्रति हैक्टेयर प्रस्तावित किया गया है। यह क्षेत्र पुराना नगरीय क्षेत्र होने के फलस्वरूप यहॉ पर मार्ग सक्रिय तथा यह क्षेत्र अधिकांशतः बिल्टप होने के कारण यहॉ पर अधिक सघनता एवं घनत्व देखा जा सकता है।

3–आवासीय

फिरोजाबाद–शिकोहाबाद महायोजना–2031 के प्रस्ताव में फिरोजाबाद एवं शिकोहाबाद नगर के लिए क्रमशः 2696.96 हैक्टेयर एवं 646.46 हैक्टेयर भूमि निर्मित क्षेत्र एवं ग्रामीण आबादी के अतिरिक्त आवासीय उपयोग हेतु प्रस्तावित की गयी है। यह क्षेत्र निर्मित क्षेत्र (उच्च घनत्व) के बाहर पड़ने वाला आवासीय क्षेत्र है जो अर्द्ध विकसित अथवा अविकसित है।

फिरोजाबाद–शिकोहाबाद महायोजना–2031 में फिरोजाबाद एवं शिकोहाबाद में कुल क्रमशः 3444.36 हैक्टेयर एवं 1314.82 हैक्टेयर भूमि आवासीय उपयोग हेतु प्रस्तावित किया गया है जो फिरोजाबाद एवं शिकोहाबाद नगरीय क्षेत्र हेतु प्रस्तावित क्षेत्रफल का क्रमशः 41.36 प्रतिशत एवं 44.06 प्रतिशत है।

3.3 आर्थिक आधार

किसी नगर का आर्थिक आधार उसकी विविध क्रियाओं की उत्पादन क्षमता एवं उसके समीपवर्ती क्षेत्र के स्वरूप आदि पर निर्भर करता है। नगर की आर्थिक क्रियाओं में किसी प्रकार की वृद्धि, कमी या संरचना में परिवर्तन प्रत्यक्ष रूप से नगर के विकास को प्रभावित करते हैं। फिरोजाबाद नगर जनपद का मुख्यालय होने के फलस्वरूप यह प्रमुख प्रशासनिक एवं औद्योगिक केन्द्र हैं। फिरोजाबाद नगर के आर्थिक आधार के निर्धारण में कुल नगरीय जनसंख्या में श्रमिकों की भागीदारी का प्रतिशत एवं द्वितीयक एवं तृतीयक श्रेणी में कार्यरत श्रमिकों का प्रतिशत अत्यन्त महत्वपूर्ण है। नगर का आर्थिक आधार तृतीयक श्रेणी पर आधारित है।

इसी प्रकार शिकोहाबाद नगर के आर्थिक आधार के निर्धारण में कुल नगरीय जनसंख्या में श्रमिकों की भागीदारी का प्रतिशत एवं द्वितीयक व तृतीयक श्रेणी में

कार्यरत श्रमिकों का प्रतिशत अत्यन्त महत्वपूर्ण है। श्रमिकों का विवरण तालिका संख्या 3.11 एवं 3.12 में दर्शाया गया है। तालिका संख्या 3.11 एवं 3.12 में फिरोजाबाद एवं शिकोहाबाद नगरों हेतु दिये गये श्रमिकों का विवरण का अवलोकन करने से स्पष्ट होता है कि जहॉ फिरोजाबाद नगर में 60.5 प्रतिशत श्रमिक द्वितीय श्रेणी तथा 38.58 प्रतिशत श्रमिक तृतीय श्रेणी के व्यवसाय में कार्यरत हैं वहीं शिकोहाबाद नगर में फिरोजाबाद नगर के विपरीत मात्र 30 प्रतिशत श्रमिक द्वितीय श्रेणी एवं 65 प्रतिशत श्रमिक तृतीय श्रेणी के व्यवसाय में कार्यरत हैं।उक्त से स्पष्ट है कि फिरोजाबाद नगर एक ग्लास एवं चूडी उद्योग का प्रमुख केन्द्र होने के कारण यहॉ पर द्वितीय श्रेणी के व्यवसाय में कार्यरत श्रमिकों की संख्या शिकोहाबाद नगर की तुलना में दोगुना अधिक है।

तालिका संख्या 3.11

फिरोजाबाद नगर की 13.35 लाख जनसंख्या हेतु वर्ष 2031 के लिए अनुमानित श्रमिकों का विवरण

(फिरोजाबाद एवं सुखमलपुर निजामाबाद)

क्र.सं.	व्यवसायिक श्रेणी	वर्ष 1991		वर्ष 2001		वर्ष 2031 (अनुमानित)	
		कुल श्रमिक	प्रतिशत	कुल श्रमिक	प्रतिशत	कुल श्रमिक	प्रतिशत
1.0	**प्राथमिक श्रेणी**	**1,394**	**1.90**	**1,108**	**0.92**	**4365**	**1.00**
1.1	कास्तकार	689	0.94	542	0.45	2095	0.48
1.2	खेतिहर मजदूर	485	0.66	566	0.47	2270	0.52
1.3	पशुपालन	197	0.27	––	––	–	–
1.4	खदान	23	0.03	––	––	–	–
2.0	**द्वितीयक श्रेणी**	**43,194**	**58.89**	**72,888**	**60.5**	**2,88,090**	**66.00**
2.1	पारिवारिक उद्योग	1647	2.25	11,194	9.29	53,650	10.00
2.2	पारिवारिक उद्योग के अतिरिक्त उद्योग	40146	54.73	59,285	49.21	2,35,710	54.00
2.3	निर्माण	1401	1.91	2,409	2.0	8,730	2.00
3.0	**तृतीयक श्रेणी**	**28,755**	**39.21**	**46,481**	**38.58**	**1,44,045**	**33.00**
3.1	व्यापार एवं वाणिज्य	14301	19.50	25,023	20.77	96,030	22.00
3.2	यातायात एवं संग्रहण संचार	2017	2.75	3,614	3.00	19,643	4.50
3.3	अन्य क्रियाएं	12021	16.39	898	0.74	6,547	1.50
3.4	मार्जिनल कार्मिक	416	0.57	16,946	14.07	21,825	5.00
	श्रमिकों का योग	73,343	100.00	1,20,477	100.00	4,36,500	100.00

तालिका संख्या 3.12
शिकोहाबाद नगर की 2.15 लाख जनसंख्या हेतु वर्ष 2031 के लिए अनुमानित श्रमिकों का विवरण

क्र.सं.	व्यवसायिक श्रेणी	वर्ष 1991 कुल श्रमिक	प्रतिशत	वर्ष 2001 कुल श्रमिक	प्रतिशत	वर्ष 2031 (अनुमानित) कुल श्रमिक	प्रतिशत
1.0	**प्राथमिक श्रेणी**	**2105**	**13.26**	**1076**	**5.29**	**3510**	**5.00**
1.1	कास्तकार	1162	7.32	509	2.50	1755	2.50
1.2	खेतिहर मजदूर	807	5.08	328	1.61	1053	1.50
1.3	पशुपालन	130	0.82	210	1.03	632	0.90
1.4	खदान	6	0.04	30	0.15	70	0.10
2.0	**द्वितीयक श्रेणी**	**3851**	**24.26**	**6074**	**29.85**	**21,060**	**30.00**
2.1	पारिवारिक उद्योग	291	1.83	987	4.85	3510	5.00
2.2	पारिवारिक उद्योग के अतिरिक्त उद्योग	2977	18.76	4273	21.00	14742	21.00
2.3	निर्माण	583	3.67	814	4.0	2808	4.00
3.0	**तृतीयक श्रेणी**	**9917**	**62.48**	**13198**	**64.86**	**45,630**	**65.00**
3.1	व्यापार एवं वाणिज्य	3944	24.85	5311	26.10	21762	31.00
3.2	यातायात एवं संग्रहण संचार	1188	7.48	1852	9.10	7722	11.00
3.3	अन्य क्रियाएं	4708	29.66	5832	28.66	15444	22.00
3.4	मार्जिनल कार्मिक	77	0.49	203	1.00	702	1.00
	श्रमिकों का योग	15873	100.00	20,348	100.00	70,200	100.00

3.3.1 श्रमशक्ति एवं व्यवसायिक संरचना

किसी नगर की भौतिक विकास की योजना बनाने से पूर्व उस नगर की आर्थिक व्यवस्था के स्वरूप तथा उसकी प्रवृत्ति का अध्ययन करना आवश्यक है क्योंकि नगरीय क्षेत्र का विकास वहॉ पर हो रही आर्थिक क्रियाओं से प्रभावित होती है। फिरोजाबाद नगर की वर्ष 1991 की जनगणना के अनुसार कुल जनसंख्या में श्रमिकों का प्रतिशत 27.11 था जो कि वर्ष 2001 में 27.83 हो गया है। इस नगर में द्वितीय श्रेणी में सर्वाधिक श्रमिक कार्यरत हैं जों कि वर्ष 1991 एवं 2001 में क्रमशः 58. 09 प्रतिशत तथा 60.50 प्रतिशत हैं जिसमें सर्वाधिक प्रतिशत पारिवारिक उद्योग के अतिरिक्त उद्योग के व्यवसाय में कार्यरत हैं।

शिकोहाबाद नगर की वर्ष 1991 की जनगणना के आधार पर कुल जनसंख्या में श्रमिकों का प्रतिशत 25.10 था जो कि वर्ष 2001 में 23.08 हो गया है। इस नगर में जनसंख्या के अन्तर्गत तृतीयक श्रेणी में सर्वाधिक श्रमिक कार्यरत हैं जो कि वर्ष 1991 एवं 2001 में क्रमशः 62.48 प्रतिशत तथा 64.86 प्रतिशत है जिसमें सर्वाधिक प्रतिशत वर्ष 1991 एवं 2001 में क्रमशः 29.66 एवं 28.66 प्रतिशत अन्य क्रियाओं में कार्यरत रहीं।

3.3.2 प्रक्षेपित श्रमशक्ति एवं व्यवसायिक संरचना

नियोजन के क्षेत्र में नगर के भौतिक विकास में उन्नति का ढ़ाँचा मुख्यत स्थानीय आर्थिक क्रियाओं द्वारा प्रभावित होता है। नगर की अर्थ व्यवस्था का तुलनात्मक अध्ययन करने पर ही भावी भू आवश्यकताओं, सेवाओं एवं सुविधाओं का निर्धारण किया जा सकता है। फिरोजाबाद–शिकोहाबाद महायोजना–2031 तैयार करने में इसका ध्यान रखा गया है।

फिरोजाबाद नगर की जनसंख्या में वर्ष 2001 में श्रमिकों की संख्या 1,20,477 है जो कुल जनसंख्या का 27.83 प्रतिशत है। यह अनुमान लगाया गया है कि वर्ष 2031 में कुल जनसंख्या का 30 प्रतिशत श्रमिक विभिन्न व्यवसाय में कार्यरत होंगे। यहॉ पर यह भी अनुमान लगाया गया है कि वर्ष 2031 में प्राथमिक श्रेणी में 4365 श्रमिक (1.0 प्रतिशत) होंगे, द्वितीयक श्रेणी में 2,88,090 श्रमिक (66.0 प्रतिशत) होंगे तथा तृतीयक श्रेणी में 1,44,045 श्रमिक (33.0 प्रतिशत) होंगे जिसमें उद्योग से सम्बन्धित व्यवसाय में 62 प्रतिशत एवं व्यापार एवं वाणिज्य में 22 प्रतिशत श्रमिकों के प्रमुख रूप से कार्यरत होने का अनुमान लगाया गया है।

शिकोहाबाद नगर की जनसंख्या में वर्ष 2001 में श्रमिकों की संख्या 20,348 है जो कुल जनसंख्या का 23.08 प्रतिशत है। यह अनुमान लगाया गया है कि वर्ष 2031 में कुल जनसंख्या का 26.0 प्रतिशत श्रमिक विभिन्न व्यवसाय में कार्यरत होंगे। यहॉ यह भी अनुमान लगाया गया है कि वर्ष 2031 में प्राथमिक श्रेणी में 3510 श्रमिक (5. 00 प्रतिशत) होंगे, द्वितीयक श्रेणी में 21,060 श्रमिक (30.0 प्रतिशत) होंगे तथा तृतीयक श्रेणी में 45,630 श्रमिक (65.0 प्रतिशत) होंगे जिसमें व्यापार एवं वाणिज्य में 31 प्रतिशत, यातायात एवं संग्रहण संचार में 11 प्रतिशत तथा उद्योग में 26 प्रतिशत होंगे।

3.4 व्यापार एवं वाणिज्य

फिरोजाबाद नगर का मुख्य व्यवसायिक क्षेत्र सदर बाजार मार्ग तथा इसके उत्तर की ओर जाने वाले जलेसर मार्ग, गंज मार्ग, इमामबाड़ा तथा दक्षिण की ओर जाने वाले एस.एन. मार्ग व स्टेशन मार्ग, फतेहाबाद मार्ग, बोहरान गली, कटरा सुनारन मार्ग आदि के दोनों ओर स्थित हैं। फिरोजाबाद नगर में विभिन्न व्यवसायिक क्रियाएं जैसे फुटकर तथा थोक व्यवसाय, विशेष बाजार आदि अधिकांश स्थानों पर एक साथ

विकसित हुए हैं। व्यवसायिक श्रेत्रों का वर्गीकरण करना अत्यन्त कठिन है। वर्ष 2010 में कराये गये विभागीय सर्वेक्षण के आधार पर नगर में विभिन्न प्रकार की दुकानों की संख्या 24096 है जिसमें खाद्य सामिग्री की 2256 दुकानें, जनरल प्रोविजन की 2955 दुकानें, वस्त्र की 1868 दुकानें, रिपेयर शॉप की 2872 दुकानें, इलैक्ट्रिकल एवं इलैक्ट्रिोनिक्स की 985 दुकानें तथा विविध में चूड़ी एवं कॉच के सामान सहित 5270 दुकानें आदि मुख्य–मुख्य रूप से हैं। विभागीय सर्वेक्षण के आधार पर व्यापारिक इकाइयों में कार्यशील व्यक्तियों की संख्या 25,023 है जो वर्ष 2001 की कार्यशील जनसंख्या 1,20,477 (फिरोजाबाद एवं सुखमलपुर निजामाबाद) का 20.77 प्रतिशत है।

शिकोहाबाद नगर का मुख्य व्यवसाय केन्द्र तहसील मार्ग एवं नगरपालिका मार्ग, स्टेशन मार्ग, जल संस्थान मार्ग, बाईपास मार्ग, एटा मार्ग, मैनपुरी मार्ग पर मुख्य–मुख्य रूप से स्थित हैं। वर्ष 2010 में कराये गये विभागीय सर्वेक्षण के आधार पर विभिन्न प्रकार की दुकानों की संख्या 4492 है जिसमें खाद्य सामिग्री की 440 दुकानें, जरनल प्रावीजन की 576 दुकानें, वस्त्र की 364 दुकानें, रिपेयर शॉप की 560 दुकानें, इलैक्ट्रिकल्स एवं इलैक्ट्रोनिंक्स की 192 दुकानें मुख्य–मुख्य रूप से हैं। विभागीय सर्वेक्षण के आधार पर व्यापारिक इकाइयों में कार्यशील व्यक्तियों की संख्या 5311 है जो वर्ष 2001 की कार्यशील जनसंख्या 20348 का 26.10 प्रतिशत है।

इन दोनों नगरों में वर्तमान व्यवसायिक क्रियाओं का स्वरूप यद्यपि फुटकर व्यापारिक दुकानों की प्रधानता को प्रकट करता है परन्तु इन नगरों की व्यवसायिक क्रियाओं के स्वरूप में परिवर्तन आ रहा है जिसके फलस्वरूप यह दोनों नगर अपनी क्षेत्रीय स्थिति के कारण महत्वपूर्ण उप नगर केन्द्र एवं थोक व्यापारिक केन्द्र के रूप में विकसित हो सकेंगे जिसमें फिरोजाबाद कॉच के सामान एवं शिकोहाबाद कृषि उपजों के व्यापार के महत्वपूर्ण स्थलों के साथ–साथ जन साधारण की विविध आवश्यकताओं के लिए फुटकर दुकानों के अतिरिक्त भवन निर्माण सामिग्री, कृषि यंत्र और अन्य दूसरी निर्मित वस्तुओं से सम्बन्धित विशिष्ट व्यापारिक दुकानों का उच्च स्तरीय क्रय–विक्रय केन्द्र हो सकेगा।

<u>प्रस्ताव</u>

3.4.1 बाजार स्ट्रीट

नगर के प्रमुख यातायात मार्गों के दोनों तरफ पट्टीनुमा रूप से अधिकांश व्यावसायिक गतिविधियॉ विकसित हो रही हैं जिनमें पर्याप्त पार्किंग आदि की व्यवस्था न होने के फलस्वरूप उनसे यातायात की समस्या उत्पन्न होती है। फिरोजाबाद एवं शिकोहाबाद नगर के जोन एक में पड़ने वाले निर्मित क्षेत्र के प्रमुख मार्गों के दोनों तरफ 15 मीटर गहराई तक बाजार स्ट्रीट प्रस्तावित किया गया है जहॉ पर व्यवसायिक मानकों के अनुसार आवश्यक सैटबैक, पार्किंग एवं खुले स्थल के साथ उक्त मार्ग से सम्बद्ध प्रत्येक भूखण्ड में निर्माण की अनुज्ञा इस प्रतिबन्ध के साथ

अनुमन्य किया जा सकेगा कि मार्ग की चौड़ाई न्यूनतम 12 मीटर सुरक्षित करनी होगी तथा न्यूनतम अग्र सैटबैक 6 मीटर रखा जाना होगो। बाजार स्ट्रीट में भूतल पर फुटकर दुकानें, प्रथम तल पर कार्यालय एवं ऊपरी तलों पर आवासीय विकास की अनुमति दी जा सकेगी। फिरोजाबाद एवं शिकोहाबाद नगरों में बाजार स्ट्रीट हेतु क्रमशः 67.20 हैक्टेयर एवं 30.40 हैक्टेयर भूमि प्रस्तावित की गई है।

3.4.2 सिटी सेन्टर

फिरोजाबाद नगर में ग्राम मिल्क खान जहॉनपुर में 81.92 हैक्टेयर भूमि सिटी सेन्टर के रूप में प्रस्तावित की गयी है जो कि दोनों नगरों व उसके आस–पास के क्षेत्रों को नगरीय स्तर की सेवायें उपलब्ध करा सकेंगी। यहॉ पर उच्च आधुनिक स्तर के मॉल्स, होटल, व्यवसायिक कॉम्पलैक्स, कम्युनिटी हॉल, फूड प्लाजा व कोर्ट, मल्टीप्लैक्स आदि व्यवस्थित रूप से भवन निर्माण एवं विकास उपविधि 2008 के प्राविधान अनुसार विकसित किया जा सकेगा।

3.4.3 उप नगर केन्द्र

फिरोजाबाद एवं शिकोहाबाद नगर में अधिकांश व्यवसायिक क्रियाएं जोन–एक के निर्मित क्षेत्र में विद्यमान हैं जहॉ पर सम्पूर्ण नगर की जनता को दैनिक उपयोग की सामिग्री लेने आना पड़ता है। जिसके फलस्वरूप इन क्षेत्रों में अधिक यातायात की समस्या बनी रहती है एवं अवस्थापना पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। फिरोजाबाद–शिकोहाबाद महायोजना–2031 में इस प्रकार के एक स्थान पर केन्द्रित व्यवसायिक क्रियाओं को विकेन्द्रित करते हुए नगर में अलग–अलग स्थानों पर उप नगर केन्द्र के रूप में प्रस्ताव दिये गये हैं। उप नगर केन्द्र हेतु फिरोजाबाद नगर में 177.92 हैक्टेयर एवं शिकोहाबाद नगर में 61.44 हैक्टेयर भूमि प्रस्तावित की गयी है।

3.4.4 थोक व्यवसायिक केन्द्र

फिरोजाबाद नगर में कोटला मार्ग पर पुरानी मण्डी विद्यमान है जिसके विस्तार हेतु 35.84 हैक्टेयर भूमि आरक्षित की गयी है जबकि शिकोहाबाद नगर में आगरा मार्ग पर ग्राम शहजलपुर में पुरानी मण्डी स्थित है जिसके विस्तार हेतु 55.04 हैक्टेयर भूमि आरक्षित की गयी है। इस क्षेत्र में नगर के थोक व्यवसाय से सम्बन्धित समस्त व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को स्थानान्तरित किये जाने का प्रस्ताव है।

3.5 उद्योग

किसी नगर के विकास में उद्योगों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है। औद्योगिकीकरण के फलस्वरूप नगर में आर्थिक एवं सामाजिक परिवर्तन आता है। उद्योगों के विकास से व्यापार एवं वाणिज्य, यातायात एवं अन्य सेवाओं का स्वतः विकास होता है अतः नगर के आर्थिक आधार को सुदृढ़ बनाने के लिए उद्योगों के विकास की विशेष आवश्यकता होती है। इससे नगर के विकास में तीव्रता आती है तथा नगरवासियों को रोजगार के अधिक अवसर प्राप्त होते हैं।

वर्तमान में फिरोजाबाद नगर में पंजीकृत औद्योगिक इकाइयों की संख्या 410 है जिसमें 183 कॉच के उत्पाद से सम्बन्धित इकाइयॉ पंजीकृत हैं जो वर्तमान में गैस से संचालित हैं। इन इकाइयों में कॉच की चूड़ी, ब्लाक कॉच और कॉच के बर्तन तथा अन्य सामान ग्लास ब्लोइंग, चूड़ी की कटाई, कॉच के मोती, पॉटरीज, कैमीकल प्रोडक्ट्स, चीनी मिट्टी के बरतन, इंजीनियरिंग सामान, कोल्ड स्टोरेज, मिल्क चिलिंग ऑयल, बुड एण्ड फर्नीचर आदि उद्योग उल्लखनीय हैं। इन उद्योगों में लगभग 59285 श्रमिक कार्यरत हैं। फिरोजाबाद नगर में वर्तमान में 290.05 हैक्टेयर भूमि विभिन्न उद्योगों के रूप में आच्छादित है।

शिकोहाबाद नगर में पंजीकृत इकाइयों की संख्या 155 है जिसमें दाल मिल, धान मिल, इंजीनियरिंग, कारपेट, क्लाथ (वस्त्र) ब्रास हार्डवेयर, आर्टवेयर, कोल्ड स्टोरेज, मिल्क चिलिंग, ऑयल, वुडेन फर्नीचर आदि उद्योग उल्लेखनीय हैं। इस नगर में "हिन्द लैम्प" के नाम से बल्व एवं इलैक्ट्रिक ट्यूब बनाने की एक पुरानी उत्पादक इकाई है जो अब बजाज इलैक्ट्रिकल के नाम से जानी जाती है। इन उद्योगों में लगभग 4273 श्रमिक कार्यरत हैं। वर्तमान में 58.88 हैक्टेयर भूमि विभिन्न उद्योगों के अन्तर्गत आच्छादित है।

<u>प्रस्ताव</u>

3.5.1 लघु एवं सेवा उद्योग

फिरोजाबाद नगर का ताज ट्रेपेजियम क्षेत्र में होने के कारण यहॉ पर वृहद् एवं प्रदूषणकारी उद्योगों पर प्रतिबन्ध लगा हुआ है। उपरोक्त को दृष्टिगत रखते हुए लघु एवं सेवा उद्योग के रूप में कुल 751.36 हैक्टेयर भूमि लघु एवं सेवा उद्योग के रूप में प्रस्तावित किया गया है जहॉ पर प्रदूषण रहित उद्योग स्थापित हो सकेंगी। यह प्रस्ताव आगरा मार्ग पर मौजा ढोलपुरा एवं जलेसर मार्ग पर मौजा मईनुद्दीनपुर, फतेहाबाद मार्ग पर मौजा पैमपुरा रैपुरा तथा शिकोहाबाद मार्ग पर मौजा किशनपुर अमरौठा, जिलौजी एवं मोहम्मदपुर नबादा पर दिये गये हैं।

3.5.2 वृहद् उद्योग

शिकोहाबाद नगर के ताज ट्रेपेजियम क्षेत्र से बाहर होने के कारण फिरोजाबाद–शिकोहाबाद विकास क्षेत्र में वृहद् उद्योग की स्थापना हेतु 317.44 हैक्टेयर भूमि प्रस्तावित की गयी है। यह प्रस्ताव ग्राम सेहजलपुर तथा मैनपुरी एवं इटावा मार्गों के मध्य ग्राम चिलावली पर प्रस्तावित किये गये हैं। बटेश्वर मार्ग पर हिन्द लैम्प के रूप में वर्तमान में बल्व की उत्पादक इकाई विद्यमान है।

3.5.3 यू.पी.एस.आई.डी.सी.

नगर में 130.56 हैक्टेयर भूमि को उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास निगम द्वारा औद्योगिक क्रियाएं हेतु भूमि विकसित की गई है जिसे कि महायोजना में दर्शाया गया है। उकत भूमि का संचालन यू.पी.एस.आई.डी.सी. द्वारा स्वंय किया

जाता है। उक्त भूमि फिरोजाबाद–जलेसर मार्ग पर ग्राम मईनुद्दीनपुर पर प्रस्तावित है।

3.6 कार्यालय

फिरोजाबाद नगर जिला मुख्यालय होने के कारण महत्वपूर्ण राजकीय कार्यालयों का केन्द्र होने के साथ–साथ प्रशासनिक दृष्टिकोंण से भी अपना प्रमुख स्थान रखता है। कार्यालय उपयोगों में वर्तमान में कुल क्षेत्र 122.62 हैक्टेयर भूमि पर विभिन्न शासकीय/अर्द्ध शासकीय कार्यालय (कलेक्ट्रेट, दीवानी न्यायालय, पुलिस लाइन, डाकघर, पी.डब्लू.डी. कार्यालय, तहसील कार्यालय, सिंचाई विभाग, वाणिज्यकर कार्यालय, जल संस्थान, जल निगम, नगरपालिका आदि कार्यालय) स्थापित हैं।

शिकोहाबाद नगर में तहसील मुख्यालय के साथ–साथ विभिन्न राजकीय कार्यालय स्थित हैं तथा प्रशासनिक दृष्टिकांण से भी इस नगर का भी अपना विशिष्ट स्थान है। कार्यालय उपयोगों में वर्तमान में 13.31 हैक्टेयर भूमि पर विभिन्न शासकीय/अर्द्ध शासकीय कार्यालय (तहसील कार्यालय, पी.डब्लू.डी. कार्यालय, सिंचाई विभाग, कोतवाली, डाकघर, जल संस्थान व नगरपालिका आदि कार्यालय) विद्यमान हैं।

<u>प्रस्ताव</u>

फिरोजाबाद–शिकोहाबाद महायोजना–2031 में वर्ष 2031 तक के लिए फिरोजाबाद नगर में 261.12 हैक्टेयर भूमि प्रस्तावित की गई है जो कि मौजा दौलतपुर, मौजा–खलीलगंज, मौजा–विजयपुर नगला भावसिंह में प्रस्तावित किया गया है।

शिकोहाबाद नगर में वर्ष 2031 तक के लिए 34.56 हैक्टेयर भूमि प्रस्तावित की गयी है जो कि मौजा–दिखतौली, मौजा–किशनपुर मौहम्मदाबाद में प्रस्तावित है। इस प्रकार फिरोजाबाद नगर में प्रस्तावित कुल नगरीय क्षेत्र का 3.14 प्रतिशत भूमि तथा शिकोहाबाद नगर में प्रस्तावित कुल नगरीय क्षेत्र का 1.16 प्रतिशत भूमि कार्यालय उपयोग हेतु आरक्षित किया गया है जहॉ पर विभिन्न शासकीय व अर्द्ध–शासकीय अथवा निजी कार्यालय की भावी आवश्यकताओं के अनुसार विकास किया जा सकेगा।

3.7 सामुदायिक सुविधाएं, उपयोगिताएं एवं सेवाएं

सामुदायिक सुविधाएं, उपयोगिताएं एवं सेवाएं का तात्पर्य उन मूलभूत आवश्यकताओं से है जो कि नागरिक जीवन के लिए आवश्यक होती हैं। इनमें प्रमुख रूप से शिक्षा, स्वास्थ्य, मनोरंजन, पुलिस स्टेशन, फायर स्टेशन, पोस्ट ऑफिस, पार्क

एवं क्रीड़ा स्थल, विद्युत एवं जलापूर्ति आदि जैसे समुचित व्यवस्था नगर के सर्वांगीण विकास के लिए उपलब्ध कराया जाता है।

3.7.1 शैक्षणिक

शिक्षा का महत्व प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। इससे साक्षरता में वृद्धि होती है तथा सामाजिक क्रिया कलापों में भाग लेने की अभिरुचि को जागृत करने में बल मिलता है। शिक्षा के क्षेत्र में प्राथमिक शिक्षा की सुविधाओं को सबसे महत्वपूर्ण माना गया है।

मानक अनुसार 2500 जनसंख्या पर एक नर्सरी स्कूल (न्यूनतम क्षेत्रफल 500 वर्गमीटर प्रति स्कूल) तथा प्रत्येक 5000 जनसंख्या पर एक प्राईमरी स्कूल (न्यूनतम क्षेत्रफल 1000 वर्गमीटर प्रति स्कूल) के प्राविधान निर्धारित किये गये हैं, जिसके अनुसार फिरोजाबाद नगर में वर्ष 2031 तक 582 नर्सरी स्कूल, 291 प्राइमरी स्कूलों की आवश्यकता होगी। कार्यालय शिक्षा अधिकारी, फिरोजाबाद से प्राप्त ऑकड़ों के अनुसार वर्तमान में फिरोजाबाद नगर में कुल 43 प्राइमरी स्कूल विद्यमान हैं जो कि मात्र 100 वर्गमीटर से 500 वर्गमीटर तक क्षेत्रफल के भूखण्डों पर कार्यरत हैं जिनमें कुल 2465 छात्र अध्ययन करते हैं एवं जिनमें 80 शिक्षकों द्वारा शिक्षा प्रदान की जाती है।

शिकोहाबाद नगर में वर्ष 2031 तक उपरोक्त मानक अनुसार 108 नर्सरी स्कूल एवं 54 प्राइमरी स्कूल की आवश्यकता होगी। कार्यालय शिक्षा अधिकारी, फिरोजाबाद से प्राप्त ऑकड़ों के अनुसार नगर में कुल 15 प्राइमरी विद्यालय विद्यमान हैं जो कि मात्र 100 वर्गमीटर से 500 वर्गमीटर तक के क्षेत्रफल के भूखण्डों पर कार्यरत हैं जिनमें कुल 1627 छात्र अध्ययन करते हैं एवं जिनमें 27 शिक्षकों द्वारा शिक्षा प्रदान की जाती है।

इस प्रकार फिरोजाबाद एवं शिकोहाबाद नगरों में वर्ष 2031 तक आवश्यक नर्सरी एवं प्राइमरी स्कूलों की व्यवस्था महायोजना में आरक्षित सामुदायिक सुविधाएं, उपयोगिताएं एवं सेवायें भू–उपयोग के अतिरिक्त आवासीय क्षेत्र में भी अनुमन्य हो सकेंगी जिसके लिए अलग से कोई भूमि मानचित्र पर प्रदर्शित करना सम्भव न होने के कारण आरक्षित नहीं की गयी है एवं जिसे कि जोनल प्लान अथवा सैक्टर प्लान तैयार करते समय प्रस्तावित कर निर्धारित किया जाना होगा। नगर में विद्यमान नर्सरी और प्राइमरी स्कूल में अधिकांशतः स्कूलों में स्थानाभाव, आश्वस्त वातावरण, खुले स्थानों का अभाव आदि जैसी समस्याओं से ग्रसित हैं जिन पर भी ध्यान दिया जाना होगा एवं मानक अनुसार व्यवस्थाएं पूर्ण करायी जानी होगी।

मानक के अनुसार नगर में 7500 की जनसंख्या पर एक जूनियर हाईस्कूल /हाईस्कूल (न्यूनतम क्षेत्रफल 2000 वर्गमीटर प्रति स्कूल) तथा प्रत्येक 10000 जनसंख्या पर एक इण्टर कालेज (न्यूनतम क्षेत्रफल 4000 वर्गमीटर प्रति स्कूल) प्रस्तावित किये जाने का प्राविधान है जिसके अनुसार वर्ष 2031 तक फिरोजाबाद नगर में 194 जूनियर हाईस्कूल/हाईस्कूल एवं 145 इण्टर कालेज की आवश्यकता होगी।

जिला विद्यालय निरीक्षक फिरोजाबाद नगर से प्राप्त ऑकड़ों के अनुसार फिरोजाबाद नगर में 31 इण्टर कालेज हैं जो कि यू.पी. बोर्ड द्वारा संचालित हैं। उक्त विद्यालयों की सूची निम्नवत् हैं :–

1. गोपीनाथ इण्टर कालेज, फिरोजााबाद।
2. कस्तूरबा इण्टर कालेज, फिरोजाबाद।
3. इस्लामिया इण्टर कालेज, फिरोजाबाद।
4. पी.डी.जैन इण्टर कालेज, फिरोजाबाद।
5. एस.आर.के. इण्टर कालेज, फिरोजाबाद।
6. श्री तिलक विद्यालय इण्टर कालेज, फिरोजाबाद।
7. डी.ए.वी. इण्टर कालेज, फिरोजाबाद।
8. एम.जी. बालिका इण्टर कालेज, फिरोजाबाद।
9. रामा कन्या इण्टर कालेज, फिरोजाबाद।
10. दिगम्बर जैन इण्टर कालेज, फिरोजाबाद।
11. रेवती देवी कन्या इण्टर कालेज, फिरोजाबाद।
12. दाऊदयाल गर्ल्स इण्टर कालेज, फिरोजाबाद।
13. कमला नेहरु च. कु. जैन इण्टर कालेज, फिरोजाबाद।
14. श्रीमती सुगरा बेगम कन्या इण्टर कालेज, फिरोजाबाद।
15. श्री रामानन्द इण्टर कालेज, बौद्ध आश्रम, फिरोजाबाद।
16. मौलाना आजाद निस्वा इण्टर कालेज, फिरोजाबाद
17. वृजराज सिंह इण्टर कालेज, फिरोजाबाद।
18. पं. मुंशी महाराज इण्टर कालेज, फिरोजाबाद।
19. बोधिसत्व डा. अम्बेदकर इण्टर कालेज, फिरोजाबाद।
20. लाल बहादुर शास्त्री इण्टर कालेज, तिलक नगर, फिरोजाबाद।
21. ज्ञान सरोवर इण्टर कालेज, फिरोजाबाद ।
22. आदर्श शिक्षा निकेतन इण्टर कालेज, फिरोजाबाद।
23. ज्ञानलोक इण्टर कालेज, सुहागनगर, फिरोजाबाद।
24. नवयुग इण्टर कालेज, दुर्गेश नगर, फिरोजाबाद।
25. श्यामादेवी इण्टर कालेज, हिमांयुपुर, फिरोजाबाद।
26. स्वामी रामतीर्थ इण्टर कालेज, विभवनगर, फिरोजाबाद।
27. हेम कान्वेन्ट इंटर कालेज, तिलगनगर, फिरोजाबाद।
28. पी.के. इण्टर कालेज, ऋषभ नगर, फिरोजाबाद।
29. डा. राजेन्द्र सिंह मैमोरियल इण्टर कालेज, सुहागनगर, फिरोजाबाद।
30. पं. मुरारी लाल कन्या इण्टर कालेज, रसीदपुर कनेटा, फिरोजाबाद।
31. शारदा शिशु भारतीय इण्टर कालेज, महावीर नगर, फिरोजाबाद।

उपरोक्त विद्यालयों के अतिरिक्त नगर में कई प्रमुख इण्टर कालेज हैं जो कि

आई.सी.एस.सी. व सी.बी.एस.सी. बोर्ड से सम्बन्धित हैं। विभागीय सर्वेक्षण के अनुसार वर्तमान में फिरोजाबाद नगर में 65 जूनियर हाईस्कूल/हाईस्कूल एवं इण्टर कालेज विद्यमान हैं। फिरोजाबाद नगर में वर्ष 2031 तक जूनियर हाईस्कूल/ हाईस्कूल व इण्टर कालेज हेतु न्यूनतम 96.8 हैक्टेयर भूमि की आवश्यकता होगी।

शिकोहाबाद नगर में वर्ष 2031 तक 36 जूनियर हाईस्कूल/ हाईस्कूल एवं 27 इण्टर कालेजों की आवश्यकता होगी। जिला विद्यालय निरीक्षक, फिरोजाबाद से प्राप्त ऑकड़ों के अनुसार शिकोहाबाद नगर में 9 इण्टर कालेज हैं जो कि यू.पी. बोर्ड द्वारा संचालित हैं। उक्त विद्यालयों की सूची निम्नवत् हैः–

1. पाली इण्टर कालेज, शिकोहाबाद।
2. नारायन इण्टर कालेज, शिकोहाबाद।
3. ए.के. इण्टर कालेज, शिकोहाबाद।
4. बी.डी.एम. इण्टर कालेज, शिकोहाबाद।
5. श्रीमती भगवती देवी पालीवाल कन्या इण्टर कालेज, शिकोहाबाद।
6. पी.आर.टी. इण्टर कालेज, शिकोहाबाद।
7. गर्डेनिया इण्टर कालेज, शिकोहाबाद।
8. चौ. झाऊलाल इण्टर कालेज, शिकोहाबाद।
9. डी.आर. इण्टर कालेज, माधवगंज, शिकोहाबाद।

उपरोक्त विद्यालयों के अतिरिक्त नगर में कई अन्य प्रमुख इण्टर कालेज हैं जो कि आई.सी.एस.सी. व सी.बी.एस.सी. बोर्ड से सम्बन्धित हैं। विभागीय सर्वेक्षण अनुसार वर्तमान में शिकोहाबाद नगर में कुल 18 जूनियर हाईस्कूल/ हाईस्कूल एवं इण्टर कालेज विद्यमान हैं। वर्ष 2031 तक शिकोहाबाद नगर में जूनियर हाईस्कूल/हाईस्कूल व इण्टर कालेज हेतु न्यूनतम 18.00 हैक्टेयर भूमि की आवश्यकता होगी।

मानक के अनुसार प्रत्येक 80,000 से 1,00,000 की जनसंख्या पर एक (न्यूनतम क्षेत्रफल 5,000 वर्गमीटर प्रति कालेज) की आवश्यकता होगी। वर्तमान में फिरोजाबाद में 6 डिग्री कालेज/ पोस्ट ग्रेजुएट कालेज विद्यमान हैं जो कि एस.आर. के. महाविद्यालय, एम.जी.बालिका महाविद्यालय, दाऊदयाल बालिका महाविद्यालय, सी. एल.जैन महाविद्यालय अमरदीप महाविद्यालय एवं डा. अम्बेदकर महाविद्यालय हैं। इस प्रकार मानक को दृष्टिगत रखते हुए नगर में वर्ष 2031 तक 9 अतिरिक्त डिग्री कालेज/पोस्ट ग्रेजुएट कालेज का प्राविधान किया गया है जिसके लिए न्यूनतम 4.5 हैक्टेयर भूमि प्रस्तावित की गयी है।

शिकोहाबाद नगर में मानक के अनुसार वर्ष 2031 तक 3 डिग्री कालेज/पोस्ट ग्रेजुएट कालेज की आवश्यकता होगी जबकि वर्तमान में शिकोहाबाद में 4 ऐसे कालेज विद्यमान हैं जो कि ए.के. महाविद्यालय, नारायन महाविद्यालय, पाली

महाविद्यालय एवं बी.डी.एम. महाविद्यालय है। इस प्रकार मानक को दृष्टिगत रखते हुए शिकोहाबाद नगर में किसी अतिरिक्त महाविद्यालय की आवश्यकता नहीं है।

मानक के अनुसार फिरोजाबाद नगर की जनसंख्या वर्ष 2031 में 14.55 लाख होने की सम्भावना है जबकि शिकोहाबाद नगर की जनसंख्या वर्ष 2031 तक मात्र 2. 70 लाख होने का अनुमान है। मानक के अनुसार नगर में प्रत्येक 10 लाख की जनसंख्या पर एक इजीनियरिंग कालेज (4 हैक्टेयर भूमि पर), एक मेडिकल कालेज (10 हैक्टेयर भूमि पर) तथा एक डेन्टल कालेज (2 हैक्टेयर भूमि पर) प्राविधान किये जाने की व्यवस्था की गयी है। फिरोजाबाद नगर में दो इंजीनियरिंग कालेज, एक मेडिकल कालेज व एक डेन्टल कालेज का प्रस्ताव किया गया है जिसके लिए " नालेज पार्क " के रूप में अलग से भूमि प्रस्तावित की गयी है जहॉ पर विशिष्ट तकनीकी शिक्षा की क्षेत्रीय आवश्यकता की पूर्ति हेतु विद्यालयों का विकास किया जा सकेगा। नालेज पार्क के रूप में 145.92 हैक्टेयर भूमि प्रस्तावित की गयी है।

3.7.2 स्वास्य सुविधाएं

मानक अनुसार प्रत्येक 15,000 जनसंख्या पर एक स्वास्थ्य केन्द्र (न्यूनतम क्षेत्रफल 008 हैक्टेयर प्रति स्वास्थ्य केन्द्र), प्रत्येक 45,000 जनसंख्या पर एक बाल कल्याण एवं प्रसूति गृह (न्यूनतम क्षेत्रफल 2000 वर्गमीटर प्रति बाल कल्याण एवं प्रसूति गृह) एवं प्रत्येक एक लाख जनसंख्या पर न्यूनतम 100 शैय्याओं का एक सामान्य चिकित्सालय (न्यूनतम क्षेत्रफल 2.0 हैक्टेयर प्रति सामान्य चिकित्सालय) के प्राविधान निर्धारित किये गये हैं।

फिरोजाबाद एंव शिकोहाबाद नगरों में एक–एक सरकारी सामान्य चिकित्सालय विद्यमान हैं। इनके अतिरिक्त इन नगरों में कई निजी नर्सिंग होम भी संचालित किये जा रहे हैं जो कि नगर की जनसंख्या को स्वास्थ्य से सम्बन्धित सेवाएं मुहैय्या कराने में अपना योगदान दे रहे हैं । फिरोजाबाद नगर में वर्ष 2031 तक 97 स्वास्थ्य केन्द्र, 32 बाल कल्याण एवं प्रसूति गृह एवं 15 सामान्य चिकित्सालयों की आवश्यकता होगी जिसके लिए क्रमशः न्यूनतम 7.76 हैक्टेयर, 6.4 हैक्टेयर एवं 30 हैक्टेयर भूमि की आवश्यकता होगी। इस प्रकार मानक के अनुसार शिकोहाबाद नगर में वर्ष 2031 तक 18 स्वास्थ्य केन्द्र, 6 बाल कल्याण एवं प्रसूति गृह एवं 3 सामान्य चिकित्सालयों की आवश्यकता होगी जिसके लिए क्रमशः न्यूनतम 1.44 हैक्टेयर, 1.2 हैक्टेयर एवं 6.0 हैक्टेयर भूमि की आवश्यकता होगी। उपरोक्त प्रस्ताव महायोजना में प्रस्तावित सामुदायिक सुविधाएं, उपयोगिताएं एवं सेवाएं भू–उपयोग हेतु आरक्षित भूमि में प्रस्तावित की जा सकेगी।

3.7.3 पुलिस स्टेशन

मानक अनुसार नगर में प्रत्येक 50,000 की जनसंख्या पर एक पुलिस स्टेशन (न्यूनतम 0.4 हैक्टेयर क्षेत्रफल) तथा प्रत्येक 15,000 जनसंख्या पर एक पुलिस चौकी (न्यूनतम 1500 वर्गमीटर क्षेत्रफल) प्राविधानित किये जाने की व्यवस्था की गयी हैं।

पुलिस अधीक्षक, फिरोजाबाद द्वारा उपलब्ध कराये गये ऑकडेां के अनुसार फिरोजाबाद नगर में 4 पुलिस स्टेशन कोतवाली उत्तर, कोतवाली दक्षिण, रामगढ़ पुलिस स्टेशन तथा रसूलपुर पुलिस स्टेशन विद्यमान हैं जिनमें 161 कार्मिक तैनात हैं। इसके अतिरिक्त नगर में 16 पुलिस चौकियॉ एवं 1 अग्निशमन केन्द्र हैं। पुलिस चौकियों में 80 कार्मिक तैनात हैं। मानक अनुसार वर्ष 2031 तक 29 पुलिस स्टेशन तथा 97 पुलिस चौकियों की आवश्यकता होगी। महायोजना में वर्ष 2031 तक पुलिस स्टेशन/ पुलिस चौकी हेतु 26.15 हैक्टेयर भूमि की व्यवस्था की गयी है जिसे कि प्रस्तावित विभिन्न उपयोगों में प्रस्तावित किया जा सकेगा।

पुलिस अधीक्षक, फिरोजाबाद द्वारा शिकोहाबाद नगर के उपलब्ध कराये गये ऑकड़ों के अनुसाार शिकोहाबाद नगर में एक पुलिस स्टेशन एवं चार पुलिस चौकियॉ एवं एक अग्निशमन केन्द्र विद्यमान है जिनमें कुल 79 कार्मिक तैनात हैं। मानक अनुसार वर्ष 2031 तक 6 पुलिस स्टेशन तथा 18 पुलिस चौकियों की आवश्यकता होगी। महायोजना में शिकोहाबाद नगर के लिए पुलिस स्टेशन/ पुलिस चौकी की स्थापना हेतु 5.1 हैक्टेयर भूमि का प्रस्ताव किया गया है जिसे विभिन्न उपयोगों में विकसित किया जा सकेगा।

3.7.4 अग्निशमन केन्द्र

मानक अनुसार वर्ष 2031 तक फिरोजाबाद नगर श्रेणी–ए का नगर एवं शिकोहाबाद नगर श्रेणी–बी का नगर हो जाने का अनुमान है। मानक अनुसार श्रेणी–ए के नगरों में 4 लाख जनसंख्या एवं 10 वर्गकिलोमीटर क्षेत्र में वर्तमान में दोनों नगरों में न्यूनतम 1.24 हैक्टेयर का एक फायर स्टेशन (कर्मचारियों के आवास सहित) तथा श्रेणी–बी नगरों में 2.5 लाख जनसंख्या एवं 10 वर्गकिलोमीटर क्षेत्र में न्यूनतम 1.0 हैक्टेयर का एक फायर स्टेशन (कर्मचारियों के आवास सहित) प्राविधानित किये जाने की व्यवस्था की गयी है।

उपरोक्त मानक के आधार पर वर्ष 2031 तक फिरोजाबाद एवं शिकोहाबाद नगरों में क्रमशः 4 एवं 1 फायर स्टेशन की आवश्यकता होगी। वर्तमान में दोनों नगरों में मात्र एक–एक अग्निशमन केन्द्र विद्यमान है। अतः वर्ष 2031 तक फिरोजाबाद नगर के लिए 3 अतिरिक्त फायर स्टेशन हेतु न्यूनतम 3.72 हैक्टेयर भूमि की व्यवस्था की गयी है।

3.7.5 डाक तार एवं टेलीफोन केन्द्र

मानक अनुसार प्रत्येक 10,000 की जनसंख्या पर न्यूनतम 100 वर्गमीटर का एक उपडाकघर एवं एक लाख की जनसंख्या पर न्यूनतम 0.4 हैक्टेयर क्षेत्रफल का एक डाक एवं तारघर / टेलीफोन एक्सचैंज के प्राविधान निर्धारित किये गये हैं। डाकघर फिरोजाबाद द्वारा उपलब्ध कराये गये ऑकड़ों के अनुसार फिरोजाबाद नगर में एक मुख्य डाकघर एवं तारघर व 6 उपडाकघर स्थित है। मानक अनुसार वर्ष 2031 तक फिरोजाबाद नगर में 146 उपडाकघर तथा 15 डाक एवं तारघर/टेलीफोन

एक्सचैंज की आवश्यकता होगी। दूरसंचार विभाग द्वारा उपलब्ध कराये गये ऑकड़ों के अनुसार नगर में 5 कम्प्यूट्रीकृत दूरसंचार केन्द्र स्थित है जिनका विवरण निम्नवत् हैः–

तालिका संख्या 3.13
फिरोजाबाद नगर मे दूरभाष केन्द की सूची

क्र.सं.	दूरभाष केन्द्र का नाम	क्षमता	कनेक्शन संख्या
1.	फिरोजाबाद मेन	12,000	5395
2.	फिरोजााद मेन	5,000	1972
3.	फिरोजाबाद दबरई	1,000	179
4.	फिरोजाबाद नगला मिर्जा	1,500	1107
5.	फिरोजाबाद सुहागनगर	2,000	1247

स्रोतः– दूरसंचार विभाग, फिरोजाबाद।

शिकोहाबाद नगर में एक मुख्य डाकघर एवं तारघर व दो उपडाकघर स्थित हैं। मानक अनुसार वर्ष 2031 तक 29 उपडाकघर व 3 डाकघर एवं तारघर/टेलीफोन एक्सचैंज की आवश्यकता होगी। दूर संचार विभाग द्वारा उपलब्ध कराये गये ऑकड़ों के अनुसार नगर में एक टेलीफोन एक्सचैंज है जिसमें लैन्ड लाइन, डब्लू. एल.एल., डी.पी.टी., पी.एल.ओ., एस.टी.डी., आर.सी.पी., प्रीपेड डब्लू एल.एल., लैण्ड लाइन, पी. सी.ओ. आदि के 28,202 कनेक्शन हैं।

महायोजना में इन दोनों नगरों में डाक एवं तारघर व दूरभाष केन्द्र के लिए न्यूनतम 8.95 हैक्टेयर भूमि की अतिरिक्त व्यवस्था की गयी है जो कि आवश्यकतानुसार महायोजना में प्रस्तावित आवासीय, व्यावसायिक, औद्योगिक, सामुदायिक सुविधाएं उपयोगितायें एवं सेवायें, कार्यालय भू–उपयोग में प्रस्तावित की जा सकेंगी।

3.7.6 मनोरंजन सुविधायें

स्वस्थ नगरीय जीवन एवं मानसिक विकास के लिए मनोरंजन की भूमिका अत्यन्त महत्वपूर्ण है। मनारेंजन सुविधाओं के अन्तर्गत पार्क, क्रीड़ा स्थल, पुस्तकालय, सिनेमाहाल तथा दूरदर्शन केन्द्र मुख्य रूप से आते हैं। मनोरंजन कर अधिकारी, फिरोजाबाद द्वारा उपलब्ध कराये गये ऑकड़ों के अनुसार फिरोजाबाद एवं शिकोहाबाद नगरों में निम्नलिखित छविगृह हैंः–

1. सन्त सिनेमा
2. जयश्री टाकीज
3. सत्कार सिनेमा
4. विजय टाकीज
5. रसना टाकीज
6. न्यू सेन्ट्रल टाकीज

7. ए.के.टाकीज
8. निधि टाकीज
9. भारत टाकीज

शिकोहाबाद नगर में निम्नलिखित छविगृह हैंः–

1. आदर्श टाकीज
2. कॅवल टाकीज
3. न्यू कॅवल टाकीज

इसके अतिरिक्त फिरोजाबाद नगर में तीन पुस्तकालय एवं शिकोहाबाद में दो पुस्तकालय विद्यमान हैं परन्तु इन दोनों नगरों में नियोजित रूप से कोई भी खेल का मैदान/खुले स्थल/पार्क विकसित नहीं हैं नहीं है तथा जो खुले स्थान हैं वह मात्र कॉलेज परिसर के खुले स्थल हैं जहॉ पर नगर के लोग जाकर अपना व्यायाम आदि कर पाते हैं। नगर के लिए पार्क एवं खुले स्थल के रूप में अलग से प्रस्ताव दिया गया है।

मानक के अनुसार प्रत्येक 25,000 की जनसंख्या पर न्यनतम 1500 वर्गमीटर का एक बारातघर/ कम्युनिटी सेन्टर के प्राविधान दिये गये हैं जिसके अनुसार वर्ष 2031 तक फिरोजाबाद एवं शिकोहाबाद नगरों में क्रमशः 58 एवं 11 बारातघर/ कम्युनिटी सेन्टर की आवश्यकता होगी जिसकी व्यवस्था सामुदायिक सुविधाएं, उपयोगिताएं एवं सेवाएं भू–उपयोग हेतु आरक्षित भूमि में की गयी है। फिरोजाबाद नगर में एक "लायन" क्लब भी स्थित है।

3.8 पर्यटन

सहायक निदेशक पर्यटन, आगरा से प्राप्त ऑकड़ों के अनुसार फिरोजाबाद–शिकोहाबाद नगर में स्थित पर्यटन केन्द्र निम्नवत् हैंः–

- दरगाह सूफी साह
- दिगम्बर जैन मन्दिर चन्द्रवार
- महाभारत कालीन मारुति नन्दन हनुमान मन्दिर चन्द्रवार
- पौराणिक केन्द्र पाढम
- बालाजी मन्दिर
- प्राचीन शिव मन्दिर पैढत
- ग्राम करहरा ब्लाक अरॉव में स्थित श्री सामौर बाबा स्थल

शिकोहाबाद में मुख्य राष्ट्रीय राजमार्ग पर उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम की इकाई राही पर्यटक आवास गृह के रूप में स्थित है तथा जनपद फिरोजाबाद में चन्द्रवार में मारुति नन्दन हनुमान मन्दिर का रुपया 75.13 लाख का पर्यटन विकास उत्तर प्रदेश समाज कल्याण निगम आगरा द्वारा किया जा रहा है। इस विभाग द्वारा ग्राम करहरा में सामौर बाबा का रुपया 20 लाख का पर्यटन विकास भी किया जा रहा

है। उनके द्वारा उपलब्ध करायी गई सूची के अनुसार फिरोजाबाद नगर में 11 होटल विद्यमान हैं जिनमें प्रमुख रूप से मोनार्क, संगम, गर्ग होटल, प्रभात, वर्धमान, सी.बी. गेस्ट हाऊस, प्रकाश लॉज, होटल रानीवाला, मून आदि हैं।

3.9 यातायात एवं परिवहन

किसी भी नगर का विकास नगर में यातायात सुविधाओं एवं परिवहन संरचना पर निर्भर करता है। नगर का भौतिक विकास ही नहीं वरन् नगर की आर्थिक एवं सामाजिक क्रियाएं आदि भी नगर में उपलब्ध यातायात सुविधा एवं परिवहन प्रणाली द्वारा प्रभावित होती हैं।

फिरोजाबाद एवं शिकोहाबाद नगरों का प्रमुखतः ग्लास एवं चूड़ी उद्योग का एक प्रमुख केन्द्र होने के कारण इन नगरों में बढ़ती जनसंख्या, चूड़ी उद्योग में लाये जा रहे मालवाहक वाहनों एवं ठेले तथा अन्य वाहनों में हो रही नियंत्रण वृद्धि के कारण नगर की यातायात व्यवस्था पर प्रतिदिन भार बढ़ता जा रहा है।

नगर में अधिकांश मार्ग संकरे हैं जिन पर ठेले व अन्य प्रकार के वाहनों के अतिक्रमण के फलस्वरूप दिन में मार्गों की वास्तविक चौड़ाई और भी कम हो जाती है। जिससे यातायात में बाधा उत्पन्न होती है। उपरोक्त के अतिरिक्त नगर के मार्गों से लगी भवनों व व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में हो रही व्यवसायिक क्रियाओं में मार्ग तक दुकानों की दिन में किए गये विस्तारीकरण भी इस क्षेत्र में सुगम यातायात पर अपना प्रतिकूल प्रभाव डालता है। नगर में पंजीकृत वाहनों की स्थिति निम्न प्रकार है::–

तालिका संख्या 3.14

पंजीकृत वाहन

क्र.सं.	वाहनों का प्रकार	वर्ष 2008–09	%	वर्ष 2009–10	%
1	बहु उपयोगी भारी मालवाहन	178	1.30	247	1.28
2	मध्यम एवं भारी वाहन	74	0.50	86	0.45
3	हल्के व्यवसायिक वाहन	407	2.89	596	3.08
4	बस	9	0.06	7	0.04
5	मिनी बस	5	0.03	2	0.01
6	टैक्सी	84	0.60	248	1.28
7	तिपहिया एवं ऑटो रिक्शा	538	3.82	716	3.70
8	दो पहिया वाहन	11037	78.26	15103	78.10
9	कार	610	4.33	806	4.17
10	जीप	287	2.03	366	1.89
11	ट्रेक्टर	867	6.15	1138	5.89
12	अन्य (एम्बूलेन्स)	5	0.03	21	0.11
		14101		19336	

स्रोतः– परिवहन विभाग, फिरोजाबाद।

उपरोक्त के अतिरिक्त नगरपालिका परिषद्, फिरोजाबाद से प्राप्त ऑकड़ों के अनुसार फिरोजाबाद नगर में लगभग 1000 चार पहिया हथठेला, 2000 रिक्शा एवं 500 सामान ढ़ोने वाली रेड्डी वर्तमान में हैं। फिरोजाबाद एवं शिकोहाबाद नगर में वर्तमान में यातायात एवं परिवहन भू–उपयोग के अन्तर्गत आच्छादित क्षेत्रफल क्रमशः 162.69 हैक्टेयर एवं 126.78 हैक्टेयर है। वर्ष 2001 की जनगणना के अनुसार यातायात/परिवहन एवं संग्रहण श्रेणी के अन्तर्गत दोनों नगरों के अन्तर्गत 5466 श्रमिक कार्यरत थे जो कि दोनों नगरों की सम्पूर्ण कार्यशील जनसंख्या का लगभग 4 प्रतिशत है।

3.9.1 नगर के प्रमुख मार्ग व अन्य यातायात की स्थिति

फिरोजाबाद

1. आगरा से कलकत्ता जाने वाला राष्ट्रीय राजमार्ग–2 नगर का प्रमुख मार्ग है जो कि नगर के मध्य से गुजरता है।
2. फिरोजाबाद– जलेसर मार्ग नगर का दूसरा प्रमुख मार्ग है जो कि यातायात की दृष्टि से व्यस्त रहता है।
3. फिरोजाबाद से फतेहाबाद मार्ग नगर का तीसरा प्रमुख मार्ग है जो कि नगर के निर्मित क्षेत्र से होकर गुजरता है।
4. फिरोजाबाद से कोटला जाने वाला मार्ग नगर का चौथा अहम् मार्ग है जो कि नगर के मध्य से होकर गुजरता है।
5. उपरोक्त के अतिरिक्त नगर में कई अन्य मार्ग भी हैं जो कि नगर के विभिन्न क्षेत्रों को आपस में सम्बद्ध करते हैं परन्तु ऐसे मार्गों की चौड़ाई मौके पर मानक के अनुरूप कम होने के कारण इनमें यातायात की समस्या बनी रहती है।
6. फिरोजाबाद नगर का रेलवे स्टेशन दिल्ली–हावड़ा को ब्राडगेज लाइन द्वारा सम्बद्ध करता है। रेल द्वारा फिरोजाबाद नगर से दिल्ली की दूरी 222 किलोमीटर तथा कानपुर की दूरी 270 किलोमीटर है। यह नगर विभिन्न ट्रेनों द्वारा लम्बी और कम दूरी वाले गन्तव्य स्थलों जैसे कि नई दिल्ली, हावडा, मुम्बई, कानपुर, लखनऊ, जयपुर, आगरा, शिकोहाबाद और टूण्डला आदि से भली भॉति जुड़ा है।
7. नगर का वर्तमान बस अड्डा शहर के निर्मित क्षेत्र में आगरा गेट पर विद्यमान है जहॉ से यह नगर उत्तर प्रदेश के साथ–साथ हर राज्यों जैसे राजस्थान, मध्यप्रदेश, नई दिल्ली, हरियाणा आदि से विभिन्न बस सेवाओं से जुड.ा हुआ है।

8. नगर में व्यवस्थित रूप से कोई यातायात नगर अथवा ट्रक अड्डा विद्यमान नहीं है जिसके कारण ट्रान्सपोर्ट एजेंसीज नगर के प्रमुख मार्गों पर अव्यवस्थित रूप से विद्यमान हैं जिसके कारण माल की लोडिंग व अनलोडिंग के समय नगर का यातायात प्रभावित होता है।

शिकोहाबाद

1. आगरा से कलकत्ता जाने वाला राष्ट्रीय राजमार्ग–2 नगर का प्रमुख मार्ग है जो कि नगर के मध्य से गुजरता है।
2. शिकोहाबाद से मैनपुरी जाने वाला दूसरा प्रमुख मार्ग है जो कि नगर के मध्य से होकर जाता है।
3. शिकोहाबाद से एटा जाने वाला नगर का तीसरा प्रमुख मार्ग है जो कि नगर के मध्य से होकर गुजरता है।
4. शिकोहाबाद से जलेसर जाने वाला नगर का चौथा प्रमुख मार्ग है जो कि नगर के मध्य से गुजरता है जो कि शिकोहाबाद जंक्शन रेलवे स्टेशन से होते हुए गुजरता है।
5. शिकोहाबाद से मुस्तफाबाद को जाने वाला मार्ग नगर का पॉचवा ऐसा मार्ग है जो कि नगर को अन्य क्षेत्रों से सम्बद्ध करता है।
6. शिकोहाबाद नगर का रेलवे स्टेशन भी दिल्ली–हावड़ा को ब्राडगेज लाइन द्वारा सम्बद्ध करता है। यह नगर विभिन्न ट्रेनों द्वारा लम्बी और कम दूरी वाले गन्तव्य स्थलों जैसे कि नई दिल्ली, हावडा, मुम्बई, कानपुर, लखनऊ, जयपुर, आगरा, फिरोजाबाद और टूण्डला आदि से भली भॉति जुड़ा है।
7. नगर का वर्तमान बस अड्डा शहर के निर्मित क्षेत्र में विद्यमान है जहॉ से यह नगर उत्तर प्रदेश के साथ–साथ हर राज्यों जैसे राजस्थान, मध्यप्रदेश, नई दिल्ली, हरियाणा आदि से विभिन्न बस सेवाओं से जुड.ा हुआ है।
8. नगर में व्यवस्थित रूप से कोई यातायात नगर अथवा ट्रक अड्डा विद्यमान नहीं है जिसके कारण ट्रान्सपोर्ट एजेंसीज नगर के प्रमुख मार्गों पर अव्यवस्थित रूप से विद्यमान हैं जिसके कारण माल की लोडिंग व अनलोडिंग के समय नगर का यातायात प्रभावित होता है।

3.9.2 प्रस्ताव

फिरोजाबाद

1. फिरोजाबाद नगर के मध्य से गुजर रहे राष्ट्रीय राजमार्ग–2 जो कि नगर की रीढ. की हड्डी है पर यातायात का अत्यधिक भार होने के फलस्वरूप नगर के क्रिया–कलापों पर प्रतिकूल प्रभाव पड.ता. है तथा आये दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं। उपरोक्त को दृष्टिगत रखते हुए फिरोजाबाद नगर के उत्तर से 64 मीटर चौडा बाईपास मार्ग प्रस्तावित किया गया है जिससे कि शहरी क्षेत्र के मध्य से भारी वाहनों एवं थ्रू ट्रेफिक का प्रवेश रोका जा सके।

2. फिरोजाबाद नगर में आगरा मार्ग पर मौजा नागऊ, जलेसर मार्ग पर मौजा पचवान एवं शिकोहाबाद मार्ग पर मौजा इन्दूमई पर ट्रक अड्डा हेतु नये प्रस्ताव दिये गये हैं तथा पुरानी महायोजना–2001 में प्रस्तावित यातायात नगर जो कि ग्राम ढ़ोलपुरा पर प्रस्तावित किया गया था को यथावत् रखा गया है। ट्रक अड्डा हेतु कुल 139.52 हैक्टेयर भूमि प्रस्तावित की गयी है।

3. आगरा कलकत्ता राष्ट्रीय राजमार्ग–2 पर ग्राम जिरौली कलॉ, एवं मक्खनपुर में एक–एक बस अड्डा तथा जलेसर मार्ग पर मौजा मईनुद्दीनपुर पर एक बस अड्डा प्रस्तावित किया गया है जो कि नगर से उत्तर प्रदेश के साथ–साथ अन्य राज्यों जैसे राजस्थान, मध्यप्रदेश, नई दिल्ली, हरियाणा आदि से विभिन्न बस सेवाओं द्वारा यात्रा करने वाले यात्रियों को सुविधा प्रदान करेगी। बस अड्डा हेतु 34.56 हैक्टेयर भूमि प्रस्तावित की गयी है।

4. नगर के विभिन्न जोन्स को परस्पर सम्बद्ध करने के उद्देश्य से तथा नगरीय यातायात को सुगम रखने की दृष्टि से नगर में 24 मीटर, 30 मीटर एवं 45 मीटर चौड़े नये मार्गों को प्रस्तावित किया गया है जिसके लिए 464.71 हैक्टेयर भूमि अलग से आरक्षित की गयी है।

5. नगर में पार्किंग एक प्रमुख समस्या बनी हुई है जिसके लिए प्रस्ताव में यथा सम्भव भूमिगत पार्किंग को प्रोत्साहित किये जाने का प्रस्ताव है।

6. यातायात एवं परिवहन के अन्तर्गत कुल 649.03 हैक्टेयर भूमि प्रस्तावित की गयी है।

7. फिरोजाबाद नगर में राष्ट्रीय राजमार्ग–2 पर प्रस्तावित बस अड्डों में से विद्यमान नगरीय क्षेत्र में बस अड्डा मौजा जरौली कलॉ व मौजा मक्खनपुर पर प्रस्तावित बस अड्डा शहरी क्षेत्र में अन्तर्गत इस उद्देश्य से प्रस्तावित किया गया है जिससे कि नगरीय जनता को बहुत दूर जाने की आवश्यकता न पड़े तथा सिटी बस सेवा के माध्यम से इन क्षेत्रों को आपस में सम्बद्ध किया जा सके। शेष दो बस अड्डे नगर में प्रस्तावित 64 मीटर बाईपास मार्ग पर प्रस्तावित किया गया है जहॉ पर राज्य स्तर का बस टर्मिनल प्रस्तावित किया जा सके।

शिकोहाबाद

1. शिकोहाबाद नगर के मध्य से गुजर रहे राष्ट्रीय राजमार्ग–2 पर यातायात का अत्यधिक भार होने के फलस्वरूप नगर के क्रिया–कलापों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता. है तथा आये दिन यहॉ भी दुर्घटनाएं होती रहती हैं। उपरोक्त को दृष्टिगत रखते हुए शिकोहाबाद नगर के उत्तर से 64 मीटर चौडा बाईपास मार्ग प्रस्तावित किया गया है जिससे कि शहरी क्षेत्र के मध्य से भारी वाहनों एवं थ्रू ट्रेफिक का प्रवेश रोका जा सके।

2. शिकोहाबाद नगर में आगरा–कलकत्ता राष्ट्रीय राजमार्ग–2 पर मौजा अरौंच एवं मौजा मुहम्मदपुर सराय आवई, मैनपुरी मार्ग पर मौजा कन्थरी पर ट्रक अड्डा हेतु

नये प्रस्ताव दिये गये हैं । ट्रक अड्डा हेतु कुल 49.92 हैक्टेयर भूमि प्रस्तावित की गयी है।

3. आगरा कलकत्ता राष्ट्रीय राजमार्ग–2 पर ग्राम अरौंच, मैनपुरी मार्ग पर मौजा कन्थरी तथा एटा मार्ग पर दखिनारा पर एक–एक बस अड्डा प्रस्तावित किया गया है जो कि नगर से उत्तर प्रदेश के साथ–साथ अन्य राज्यों जैसे राजस्थान, मध्यप्रदेश, नई दिल्ली, हरियाणा आदि से विभिन्न बस सेवाओं द्वारा यात्रा करने वाले यात्रियों को सुविधा प्रदान करेगी। बस अड्डा हेतु 46.08 हैक्टेयर भूमि प्रस्तावित की गयी है।

4. नगर के विभिन्न जोन्स को परस्पर सम्बद्ध करने के उद्देश्य से तथा नगरीय यातायात को सुगम रखने की दृष्टि से नगर में 24 मीटर, 30 मीटर एवं 45 मीटर चौड़े नये मार्गों को प्रस्तावित किया गया है जिसके लिए 151.04 हैक्टेयर भूमि अलग से आरक्षित की गयी है।

5. नगर में पार्किंग एक प्रमुख समस्या बनी हुई है जिसके लिए प्रस्ताव में यथा सम्भव भूमिगत पार्किंग को प्रोत्साहित किये जाने का प्रस्ताव है।

6. यातायात एवं परिवहन के अन्तर्गत कुल 296.96 हैक्टेयर भूमि प्रस्तावित की गयी है।

3.10 पार्क एवं खुले स्थल

मनोरंजन सुविधाओं में पार्क एवं व्यवस्थित खुले स्थलों का महत्वपूर्ण स्थान है जो कि नागरिकों को शुद्ध वायु व प्राकृतिक सौन्दर्य, खेलकूद व व्यायाम के अवसर उपलब्ध कराता है। फिरोजाबाद–शिकोहाबाद नगर में विकसित पार्क तथा व्यवस्थित खुले स्थलों का नितान्त अभाव है। नगर में विकसित खुले क्षेत्रों का होना आवश्यक है जो कि नगर के समस्त क्रियाओं के मध्य लंग स्पेस के रूप में कार्य करते हैं तथा जहॉ पर वर्तमान में तनावग्रस्त दिनचर्या को मनोरंजनात्मक क्रियाओं के द्वारा आम जनता को विश्राम प्राप्त होता है। फिरोजाबाद–शिकोहाबाद महायोजना–2031 में पार्क एवं खुले स्थल के रूप में फिरोजाबाद एवं शिकोहाबाद नगरों में क्रमशः कुल 1246.84 हैक्टेयर एवं 626.88 हैक्टेयर भूमि का प्रस्ताव किया गया है जिसका विवरण नीचे दिया गया है। फिरोजाबाद एवं शिकोहाबाद नगरों में पार्क एवं खुले स्थल हेतु प्रस्तावित भूमि का प्रतिशत कुल प्रस्तावित नगरीय क्षेत्र का क्रमशः 15 प्रतिशत एवं 21 प्रतिशत है।

प्रस्ताव

1. क्षेत्रीय पार्क

फिरोजाबाद नगर में 307.20 हैक्टेयर भूमि क्षेत्रीय पार्क के रूप में मौजा नागऊ, यू.पी.एस.आई.डी.सी. द्वारा विकसित औद्योगिक क्षेत्र के दक्षिण में एवं जिला मुख्यालय के उत्तर में मौजा नगला हरिया में प्रस्तावित किया गया है।

शिकोहाबाद नगर में 130.56 हैक्टेयर भूमि क्षेत्रीय पार्क के रूप में मौजा जसलई में प्रस्तावित किया गया है। क्षेत्रीय पार्क का उपयोग नगर की जनता के साथ–साथ आस–पास के क्षेत्रों के नागरिकों को भी मनोरंजनात्मक सुविधाएं मुहैया करायेगीं।

2. सेक्टर पार्क

नगर में प्रत्येक सैक्टरों में सेक्टर पार्क प्रस्तावित किया गया है जो कि उक्त सैक्टर में रहने वाले निवासियों को मनोरंजनात्मक क्रिया–कलापों हेतु सुविधा प्राप्त हो सकेगी। फिरोजाबाद नगर में विभिन्न स्थानों पर 578.56 हैक्टेयर भूमि सैक्टर पार्क के रूप में तथा शिकोहाबाद नगर में 241.92 हैक्टेयर भूमि सैक्टर पार्क के रूप में प्रस्तावित की गयी है।

3. जोनल पार्क

फिरोजाबाद नगर में 228.60 हैक्टेयर भूमि जोनल पार्क के रूप में मौजा लालऊ व जिला मुख्यालय के पश्चिम में नगरपालिका परिषद् सीमा के अन्तर्गत प्रस्तावित किया गया है।

शिकोहाबाद नगर में 152.0 हैक्टेयर भूमि जोनल पार्क के रूप में शिकोहाबाद–मैनपुरी रेलवे लाइन के उत्तर में मौजा किशनपुर मौहम्मदाबाद में प्रस्तावित किया गया है।

4. हरित पट्टिका

फिरोजाबाद–शिकोहाबाद नगरों में प्रस्तावित 64 मीटर चौड़ा बाईपास र्म के दोनों तरफ 30 मीटर गहराई तक हरित पट्टिका प्रस्तावित की गयी है जिससे कि मार्ग से लगी भूमि पर रिबन डवलपमेन्ट न होने पाये। इस प्रकार फिरोजाबाद नगर में 132 हैक्टेयर तथा शिकोहाबाद नगर में 64.40 हैक्टेयर भूमि प्रस्तावित की गयी है।

3.11 विद्युत आपूर्ति

विद्युत वितरण खण्ड फिरोजाबाद से प्राप्त ऑकड़ों के अनुसार फिरोजाबाद नगर में पॉच विद्युत सब स्टेशन एवं शिकोहाबाद में एक विद्युत सब स्टेशन विद्यमान है जिसकी सूची निम्नवत् है:–

1. 33/11 के.वी. सब स्टेशन दबरई
2. 33/11 के.बी. सब स्टेशन यू.पी.एस.आई.डी.सी.
3. 33/11 के.बी. सब स्टेशन मोहम्मदाबाद
4. 33/11 के.बी. सब स्टेशन लालऊ
5. 33/11 के.बी. सब स्टेशन , लाइनपार
6. 33/11 के.बी. सब स्टेशन, नौशेरा, शिकोहाबाद

विभागीय ऑकड़ों के अनुसार फिरोजाबाद नगर में 58349 विद्युत कनेक्शन पंजीकृत हैं तथा शिकोहाबाद में लगभग 6000 विद्युत कनेक्शन हैं परन्तु कुछ ऐसे

कनेक्शन भी होंगे जो कि प्रस्तावित नगरीय क्षेत्र से बाहर पड़ने वाली आबादी में पंजीकृत हैं जो कि सूची में सम्मिलित नहीं किये गये हैं।

प्रस्ताव

विद्युत आपूर्ति

मानक अनुसार 15000 की जनसंख्या पर एक 11 के.वी.ए. क्षमता का विद्युत सब स्टेशन (500 वर्ग मीटर भूमि पर), 50 हजार की जनसंख्या पर एक 66 के.वी.ए. क्षमता का विद्युत सब स्टेशन (0.607 हैक्टेयर भूमि पर) तथा 5 लाख की जनसंख्या पर एक 220 के.वी..ए. की क्षमता का विद्युत सब स्टेशन (4.047 हैक्टेयर भूमि पर) प्रस्तावित किये जाने का प्राविधान है। उपरोक्त के अतिरिक्त आवश्यकतानुसार 33 के. वी.ए. एवं 132 के.वी.ए. की क्षमता का विद्युत सब स्टेशन क्रमशः 0.405 हैक्टेयर भूमि पर एवं 2.023 हैक्टेयर भूमि पर प्रस्तावित किया जा सकेगा। जिसका आंकलन विद्युत विभाग द्वारा निर्धारित किया जायेगा।

उपरोक्त के अनुसार फिरोजाबाद नगर में वर्ष 2031 तक 220 के.वी.ए. क्षमता के तीन, 66 के.वी.ए. क्षमता के 29 एवं 11 के.वी.ए. क्षमता के 97 विद्युत सब स्टेशन की आवश्यकता पड़ेगी। इसी प्रकार शिकोहाबाद नगर में 220 के.वी.ए. क्षमता का एक, 66 के.वी.ए. क्षमता के पॉच तथा 11 के.वी.ए. क्षमता के अठारह विद्युत सब स्टेशन की आवश्यकता पड़ेगी।

इसी प्रकार फिरोजाबाद नगर में विद्युत सब स्टेशन हेतु 19.37 हैक्टेयर तथा शिकोहाबाद नगर में 7.45 हैक्टेयर भूमि आरक्षित की गई है जो कि नगर की विद्युत आपूर्ति के उपयोग में लायी जायेगी।

3.12 जलापूर्ति

वर्ष 2001 में फिरोजाबाद नगर की जनसंख्चया 4,32,866 थी जिसके लिए 150 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन के मानक के आधार पर 64.92 एम.एल.डी. जलापूर्ति की न्यूनतम आवश्यकता थी। जिसके सापेक्ष कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, अस्थाई निर्माण खण्ड उत्तर प्रदेश जल निगम एवं जल संस्थान फिरोजाबाद से प्राप्त ऑकड़ों के अनुसार मात्र 15.51 एम.एल.डी. जलापूर्ति की जा रही है जो कि मात्र 35.83 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन जलापूर्ति है। वर्तमान में नगर में 66 नलकूपों के माध्यम से जलापूर्ति की जा रही है। फिरोजाबाद नगर में 15,515 किलोलीटर क्षमता के 15 ओवर हैड टैंक एवं लगभग 1415 हैंड पम्प द्वारा जलापूर्ति की जा रही है। नगर के लगभग 50 प्रतिशत भाग में ही व्यवस्थित पाइप लाइन वितरण प्रणाली द्वारा जलापूर्ति की जा रही है। 150 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन के मानक के आधार पर वर्ष 2031 तक फिरोजाबाद नगर हेतु अनुमानित जनसंख्या के लिए 218.25 एम.एल.डी. जलापूर्ति की आवश्यकता होगी।

तालिका संख्या 3.15
फिरोजाबाद नगर में अधिष्ठापित अवर जलाशय

क्र.सं.	जोन का नाम	स्थल का नाम	क्षमता किलोलीटर
1 अ–	आगरा गेट जोन एवं सी.डब्लू.आर.	जलकल कम्पाउन्ड	1150 कि.ली. 650 कि.ली.
2	तदैव	तदैव	450 कि.ली.
3	सुहाग नगर जोन	सुहाग नगर टंकी कम्पाउन्ड	1200 कि.ली.
4	गणेश नगर जोन	गणेश नगर टंकी कम्पाउन्ड	25 कि.ली.
5	विभव नगर जोन	विभव नगर टंकी कम्पाउन्ड	1500 कि.ली.
6.	गुंजन एन्कलेव	गुंजन एन्कलेव टंकी कम्पाउन्ड	15 कि.ली.
7	सती आश्रम जोन	सती आश्रम टंकी कम्पाउन्ड	1500 कि.ली.
8.	लेबर कालोनी	लेबर कालोनी टंकी कम्पाउन्ड	225 कि.ली.
9	लेबर कालोनी	लेबर कालोनी टंकी कम्पाउन्ड	1000 कि.ली.
10	नगला बरी जोन	नगला बरी टंकी कम्पाउन्ड	1600 कि.ली.
11 अ–	सन्त नगर जोन सी.डब्लू.आर.	सन्त नगर टंकी कम्पाउन्ड	1500 कि.ली. 150 कि.ली.
12 अ–	रसूलपुर जोन सी.डब्लू.आर.	रसूलपुर टंकी कम्पाउन्ड	1350 कि.ली. 950 कि.ली.
13	करवला	करवला प्रीतम नगर	1000 कि.ली.
14	हनुमान जलाशय	रामलीला ग्राउन्ड	1000 कि.ली.
15	दीदामई टंकी	दीदामई	250 कि.ली.

वर्तमान में जल निगम द्वारा यू.आई.डी.एस.एस.एम.टी. के अन्तर्गत एक योजना तैयार की गयी है जिसके अनुसार तीन उच्च जलाशय, 12 भूमिगत जलाशय तथा 170.00 किलोमीटर वितरण प्रणाली बिछायी जाने का कार्य कराया जा रहा है। जल संस्थान से प्राप्त सूचना के अनुसार नगर में 30800 घरेलू कनेक्शन हैं।

वर्ष 2001 में शिकोहाबाद की जनसंख्या 88,161 थी जिसके लिए 150 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन के आधार पर 13.22 एम.एल.डी. जलापूर्ति की न्यूनतम आवश्यकता थी जिसके सापेक्ष कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, अस्थायी निर्माण खण्ड,उत्तर प्रदेश जल निगम, फिरोजाबाद से प्राप्त ऑकड़ों के अनुसार मात्र 3.15 एम.एल.डी. जलापूर्ति की जा रही है जो कि 35.73 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन. जलापूर्ति है जो कि मानक से बहुत कम है। वर्तमान में 20 नलकूपों के माध्यम से जलापूर्ति की जा रही है तथा 6 ओवरहैड टैंक जिनकी क्षमता 3150 किलोलीटर है

नगर में विद्यमान हैं। इसके अतिरिक्त नगर में 522 हैडपम्प अधिष्ठापित हैं। नगर के 45 प्रतिशत क्षेत्र में पाइप लाइन द्वारा जलापूर्ति की जा रही है तथा 5020 कनेक्शन पंजीकृत हैं।

फिरोजाबाद नगर में वर्ष 2031 तक अनुमानित जनसंख्या के लिए लगभग 40.5 एम.एल.डी. जलापूर्ति की आवश्यकता होगी।

प्रस्ताव

1– वर्ष 2031 तक के लिए फिरोजाबाद नगर के लिए 218.25 एम.एल.डी. तथा शिकोहाबाद के लिए 40.50 एम.एल.डी. जलापूर्ति की आवश्यकता होगी जिसके लिए समुचित प्राविधान किया जाना आवश्यक होगा।

2– जल के वितरण हेतु पाइप लाइन के नैटवर्क को उच्चीकृत एवं पम्पिंग सिस्टम, भण्डारण से सम्बन्धित सुविधाएं व न्यू फीडर मेन्स को उच्चीकृत करना और प्रतिस्थापित करना।

3– विस्तृत नैटवर्क प्लान करना एवं तदानुसार नए ट्यूबबैल की व्यवस्था करना एवं पुराने ट्यूबबैल को प्रतिस्थापित करना।

4– जल निस्तारण में जल की क्षति को जहॉ तक हो सके कम से कम रखना, रख–रखाव की व्यवस्था को उच्चीकृत करना तथा जलकर आदि प्राप्त करने की उचित व्यवस्था तैयार कर उसे अंजाम देना।

5– नये ओवरहैड टैंक का निर्माण करना व क्षतिग्रस्त को मरम्मत किया जाना।

3.13 सीवरेज

फिरोजाबाद–शिकोहाबाद नगर में प्रभावी व पर्याप्त सीवरेज सिस्टम का अभाव है। सीवरेज का निस्तारण सैप्टिक टैंक अथवा खुले ड्रेन द्वारा किया जाता है जो कि अस्वस्थ व प्रदूषणकारी है। फिरोजाबाद नगर में वर्तमान में कोई सीवरेज ट्रीटमेन्ट प्लान्ट नहीं है। फिरोजाबाद नगर में सीवरेज व्यवस्था मे सुधार हेतु उत्तर प्रदेश जल निगम द्वारा यू.आई.डी.एस.एस.एम.टी. प्रोग्राम के अन्तर्गत 86.92 करोड़ की लागत से 160.00 किलोमीटर सीवर लाइन, दो एस.टी.पी., तीन सीवरेज पम्पिंग स्टेशन के कार्य निर्माणाधीन हैं।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, अस्थायी निर्माण खण्ड, जलनिगम से प्राप्त ऑकड़ों के अनुसार शिकोहाबाद नगर के कुछ क्षेत्र में सीवर लाइन पड़ी हुई है जो कि निर्माण के समय से ही बन्द पड़ी है तथा उक्त से सम्बन्धित सभी व्यवस्थाएं क्षतिग्रस्त हैं।

प्रस्ताव

1– सीवरेज ट्रीटमेन्ट प्लान्ट हेतु पर्याप्त मात्रा में ट्रीटमेन्ट प्लान्ट, पम्पिंग स्टेशन आदि तैयार किया जाना आवश्यक है।

2– इन दोनों नगरों में एक सुव्यवस्थित सीवरेज नैटवर्क के जाल को बिछाया जाना होगा।

3– क्षतिग्रस्त सीवरेज लाइन की मरम्मत किया जाना आवश्यक है जिससे कि उसे उपयोग में लाया जा सके।

4– वेस्ट वाटर मैनेजमेन्ट के सम्बन्ध में नागरिकों को जागरुक किया जाना होगा।

3.14 ड्रेनेज

फिरोजाबाद एवं शिकोहाबाद नगरों में ड्रेनेज सम्बन्धी सुविधाएं नगरपालिका परिषद् फिरोजाबाद एवं नगरपालिका परिषद् शिकोहाबाद द्वारा मुहैया करायी जाती हैं। वर्तमान में इन नगरों बने नाले व ड्रेनों का निर्माण नियोजित रूप से नहीं होने के कारण उनमें प्रवाह सही ढ़ंग से नहीं हो पाता है जिसके फलस्वरूप वर्षा के समय मार्गों एवं मुहल्लों में जल भराव की स्थिति बन जाती है।

प्रस्ताव

1– नगर के कोर व्यवसायिक क्षेत्रों में दुकानदारों द्वारा नालों को अतिक्रमित कर निर्माण कार्य किया जाता है जिसके कारण नालों की सफाई सम्भव नहीं हो पाती। इसके लिए उचित रोकथाम की आवश्यकता होगी।

2– अधिकांश नाले खुले होते हैं। जिन्हें कूड़ेदान के रूप में इस्तैमाल किया जाता है जिस कारण नाले बन्द हो जाते हैं। नाले खुले होने के कारण धूल मिट्टी जाने से भी प्रभावित होते हैं। उचित होगा कि नालों को जहॉ तक सम्भव हो सके ढ़का जाये व उच्चीकृत किया जाये।

3– नगर के सालेड वेस्ट भी नाले में डाले जाते हैं जिनकी रोकथाम आवश्यक है।

4– सीमित साधनों के कारण नालों की पर्याप्त सफाई नहीं हो पाती है। अतः यह आवश्यक है कि नगरपालिकाओं के अपने साधनों में बढ़ोत्तरी करने के लिए आवश्यक कदम उठाने होंगे।

5– इन दोनों नगरों का एक ड्रेनेज मास्टर प्लान विशेषज्ञों तथा सम्बन्धित विभाग के मार्गदर्शन में तैयार कराया जाना आवश्यक है, जिसमें नालों की सफाई, वर्तमान नालों की मरम्मत/लाइनिंग कर तथा नये नालों के निर्माण व अन्य अवस्थापना से सम्बन्धित कार्य विस्तृत रूप से तैयार किया जाय, जो कि महायोजना का अंश माना जाएगा।

3.15 सॉलिड वेस्ट प्रबन्धन

फिरोजाबाद नगर में 150 मैट्रिक टनसॉलिड वेस्ट उत्पन्न होता है जबकि अपर्याप्त मानव शक्ति के कारण लगभग 100 मैट्रिकटन कूड़ा नियमित रूप से उठाया जाता है। नालों से निकाला गया सिल्ट (गाद) अक्सर सड़क व नालों के सहारे रखा देखा जा सकता है जो कि न केवल शहर के सौन्दर्य में बाधक है वरन् प्रदूषण का मुख्य स्रोत भी है। फिरोजाबाद नगर में कूड़ा निस्तारण हेतु तीन ट्रेंचिंग ग्राउन्ड के

लिए कुतुकपुर चिनौरा स्थित खत्ताघर के लिए 7.433 हैक्टेयर भूमि की कार्यवाही की जा रही है।

शिकोहाबाद नगर में वर्तमान में 80 मैट्रिक टन, सॉलिड वेस्ट प्रतिदिन उत्पन्न होता है, जबकि अपर्याप्त मानव शक्ति के कारण लगभग 60 मैट्रिक टन कूड़ा नियमित रूप से उठाया जाता है। नालों से निकाला गया सिल्ट (गाद) अक्सर सड़क व नालों के सहारे रखा देखा जा सकता है जो कि ना केवल शहर के सौन्दर्य में बाधक है वरन् प्रदूषण का मुख्य स्रोत भी है। इन दोनों नगरों में कूड़े को श्रेणीबद्ध तरीके से पृथक करने की कोई व्यवस्था नहीं है और न ही पर्याप्त मात्रा में कूड़ेदान की व्यवस्था है। अधिकांश कूड़ा सड़क पर बिखरा पाया जाता है।

प्रस्ताव

1– इन दोनों नगरों में कूड़े को संग्रहीत करने तथा उसके निस्तारण हेतु अवस्थापना को उच्चीकृत कराया जाना आवश्यक है जिसके लिए एक विस्तृत योजना विशेषज्ञों तथो सम्बन्धित विभाग के मार्गदर्शन में तैयार कर अमल में लाने की आवश्यकता होगी।

2– कूड़े को खुले नाले में बहाये जाने के लिए उचित रोकथाम की आवश्यकता है जिसके लिए नागरिकों में जागरुकता फैलाने के लिए उचित कदम उठाने की आवश्यकता है।

3– नगर में जगह–जगह कूड़ेदान रखे जाना उचित होगा जहॉ तक सम्भव हो सके कूड़ेदान ढके हों।

4– कूड़े को विभिन्न श्रेणियों में पृथक करने की उचित व्यवस्था / योजना तैयार करनी होगी।

3.16 वाटर हार्वेस्टिंग

जीवन में पर्यावरण के अस्तित्व के लिए जल एक अनिवार्य प्राकृतिक संसाधन है परन्तु ग्राउन्ड वाटर स्रोत के अनियोजित ढ़ंग से एवं मनमानी मात्रा में अति दोहन के कारण ग्राउन्ड वाटर स्तर तेजी से नीचे गिर रहा है। परिणामस्वरूप शहरो की बढ़ती आबादी को समुचित जलापूर्ति करने में भविष्य में कठिनाई हो सकती है। ऐसी स्थिति में यदि पेयजल के उपयोग एवं ग्राउन्ड वाटर के स्रोतों के संरक्षण, मितव्यता, जल प्रयोग तथा रीचार्जिंग में समुचित जल प्रबन्धन द्वारा संतुलन स्थापित नहीं किया गया तो निकट भविष्य में पेयजल का भारी संकट पैदा हो सकता है। इस ओर शासन द्वारा भी ध्यान आकर्षित किया गया है तथा समुचित व्यवस्था हेतु प्राविधान करने के निर्देश भी दिये गये है।

प्रस्ताव

1. नगरीय क्षेत्र में पड़ने वाले प्राकृतिक जलाशयों, तालाबों अथवा पोखरों को चिन्हित कर संरक्षित किये जायें जिसमें किसी अन्य प्रकार का उपयोग अनुमन्य न किया जाये।
2. जहाँ तक हो सके ऐसे प्राकृतिक जलाशय एवं तालाब अथवा पोखर के आस–पास की भूमि को मनोरंजन की दृष्टि से विकसित किया जाये जिससे कि नगर की जनता को दोहरे लाभ प्राप्त हो सकें।
3. 20 एकड से अधिक विभिन्न योजनाओं क`ले आउट प्लान में पार्क एवं खुले क्षेत्रों के अन्तर्गत कुल योजना क्षेत्र की लगभग 5 प्रतिशत भूमि जलाशय के रूप में विकसित की जाये। ऐसे जलाशयों का न्यूनतम क्षेत्रफल 1 एकड़ तथा गहराई 6 मीटर रखे जाने का प्राविधान है।
4. 20 एकड़ से कम क्षेत्रफल की योजनाओं में उपरोक्तानुसार जलाशय अथवा पार्क/ ग्रीन बैल्ट के अनुसार निर्धारित मानक के अनुरूप एक कोने में रिचार्जवैल/ रिचार्जटैंक बनाया जाय।
5. नयी योजना बनाने से पूर्व क्षेत्र का जूलोजिकल/ हाइड्रोजूलोजिकल सर्वेक्षण कराया जाये ताकि ग्राउन्ड वाटर रिचार्जिंग हेतु स्थानीय आवश्यकतानुसार उपरोक्त पद्धति को अपनाया जा सके।
6. पार्कों में पक्का निर्माण (पक्के पेवमेन्ट सहित) 5 प्रतिशत से अधिक न किया जाये तथा फुटपाथ व ट्रैक्स यथासम्भव पर्मीयेवल एवं सेमीपर्वीयेवल परफोरेंटेड ब्लाक के प्रयोग से बनाया जाये।
7. सड़को/ पार्कों तथा खुले स्थानों में वृक्षारोपण हेतु ऐसे पौधों की प्रजातियों का चयन किया जाये जिनको जल की न्यूनतम आवश्यकता हो एवं जिससे वे ग्रीष्म ऋतु में भी हरे–भरे रह सकें।
8. जहॉ तक सम्भव हो सके सड़कों के किनारे ब्रिक ओवऐज/ जूल स्टोन पेवमेन्ट का प्राविधान किया जाये ताकि ग्राउन्ड वाटर की रिचार्जिंग हो सके। 1000 वर्गमीटर एवं इससे अधिक क्षेत्रफल के समस्त उपयोगों के भूखण्ड़ों एवं ग्रुप हाउसिंग योजनाओं में छतों एवं खुले स्थानों से प्राप्त होने वाले बरसाती जल को परकोलेशन पिट्स के माध्यम से ग्राउन्ड वाटर चार्जिंग के लिये अनिवार्य किया जाये। उपरोक्त व्यवस्था को भविष्य में निर्मित होने वाले शासकीय भवनों के लिये भी अनिवार्य किया जाये तथा पूर्व निर्मित शासकीय भवनों में रूफ टॉप रेनहार्वेस्टिंग एवं रिचार्ज प्रणाली को अपनाया जाये।

3.17 शासन की विभिन्न नीतियों का अनुपालन

3.17.1 आवास नीति

1. फिरोजाबाद–शिकोहाबाद महायोजना–2031 जिसमें रिहायशी, कार्यक्षेत्र तथा मनोरंजन स्थल में पारस्परिक सामंजस्य व सम्बद्धता रखी गयी है जिससे कि ऊर्जा का संरक्षण हो सके तथा ट्रेवलिंग डिस्टेन्स व ट्रेवलिंग टाइम में कटौती लाई जा सके जिससे कि यातायात पर सबसे अधिक भार न हो। उक्त के अतिरिक्त फिरोजाबाद नगर को 9 जोन्स तथा शिकोहाबाद नगर को 5 जोन्स में विभाजित किया गया है एवं प्रत्येक सैक्टर में व्यावसायिक क्रियाएं व सामुदायिक सुविधाएं एवं उपयोगिताएं व सेवाओं को आवासीय उपयोग के साथ सम्बद्ध किया गया है।
2. पर्यावरण की सुरक्षा एवं संरक्षण पर ध्यान दिया गया है जिसके अन्तर्गत वन क्षेत्र, तालाब एवं पोखरों, नाला आदि को संरक्षित किया गया है तथा अतिरिक्त खुले स्थल अथवा पार्क प्रस्तावित किये गये हैं। फिरोजाबाद नगर में 1246.84 हैक्टेयर तथा शिकोहाबाद नगर में 626.88 हैक्टेयर भूमि पार्क एवं खुले क्षेत्र हेतु आरक्षित की गयी है तथा 245.76 हैक्टेयर भूमि वन क्षेत्र के रूप में आरक्षित की गयी है। इस प्रकार फिरोजाबाद नगर में 15 प्रतिशत तथा शिकोहाबाद नगर में 21 प्रतिशत भूमि पार्क व खुले क्षेत्र के रूप में आरक्षित की गयी है। इसमें वन क्षेत्र सम्मिलित नहीं है।
3. प्रस्तावित नगरीय क्षेत्र में आने वाली ग्रामीण आबादियों को उचित सम्पर्क मार्गों से आपस में सम्बद्ध किया गया है तथा प्रत्येक जोन का जोनल प्लान तैयार करते समय उक्त आबादियों हेतु आधारभूत अवस्थापना सम्बन्धी सुविधाएं मुहैय्या कराये जाने की व्यवस्था की जायेगी।
4. नगर की अनाधिकृत एवं अविकसित कालोनियों में भी आधारभूत अवस्थापना सुविधाएं उपलब्ध कराने एवं उन्हें उचित व्यवस्था अनुसार नियमित किये जाने का सुझाव है।
5. दुर्बल एवं अल्प आय वर्ग की आबादियों में शासन द्वारा जारी जोनिंग रेगुलेशन्स के आधार पर भूतल पर सेवा एवं कुटीर उद्योगों को अनुमन्य किये जाने का प्राविधान है।
6. महायोजना तैयार करते समय आधुनिक तकनीक का उपयोग किया गया है जिसके अन्तर्गत टोटल स्टेशन द्वारा क्षेत्र का सर्वेक्षण कार्य किया गया, मानचित्रों का डिजीटाइजेशन कराया जा रहा है तथा कम्यूटर के माध्यम से अधिकांश कार्य किये गये हैं।

3.17.2 हाईटेक टाउनशिप

फिरोजाबाद एवं शिकोहाबाद नगरों में कोई भी हाईटेक व इन्ट्रीग्रेटेड टाउनशिप के विकास हेतु कोई पंजीकरण नहीं हुआ है और न ही अभी तक किसी ने इसमें रुचि दिखाई है।

3.17.3 पर्यटन नीति

फिरोजाबाद एवं शिकोहाबाद नगर आगरा एवं मथुरा के समीप स्थित होने के फलस्वरूप इन नगरों को जाने वाले पर्यटकों का एक प्रमुख पारगमन ठहराव स्थल बन गया है। अतः नगर में होटल, गेस्ट हाउस, मॉल आदि के निर्माण हेतु पर्याप्त भूमि नगर में प्रस्तावित सिटी सेन्टर तथा उप नगर केन्द्र में आरक्षित किया गया है।

3.17.4 फिल्म नीति

फिरोजाबाद–शिकोहाबाद नगर में अनेक छविगृह विद्यमान हैं। फिल्म नीति के अन्तर्गत निर्मित एवं विद्यमान सिनेमा हालों को संरक्षित किये जाने का प्रस्ताव है। नये छविगृह तथा मल्टीप्लेक्स हेतु भूमि महायोजना में प्रस्तावित भू–उपयोग के अन्तर्गत उपलब्ध हो सकेगी।

3.17.5 औद्योगिक एवं सेवा क्षेत्र निवेश नीति

महायोजना में फिरोजाबाद नगर में 881.92 हैक्टेयर भूमि उद्योग हेतु प्रस्तावित की गयी है तथा शिकोहाबाद नगर में 317.44 हैक्टेयर भूमि उद्योग हेतु प्रस्तावित की गयी है। औद्योगिक एवं सेवा क्षेत्र निवेश नीति 2004 के क्रम में शासनादेश संख्या 3352/9–आ–3–04–12 विविध/2004 दिनांक 23.8.2004 के अनुसार नगरीय हाट तरीके के बाजारों की स्थापना हेतु भूमि उन नगर केन्द्र व सिटी सेन्टर के रूप में आरक्षित की गयी है जहॉ पर लघु तथा सेवा एवं कुटीर उद्योग को डिस्प्ले एवं विक्रय किया जा सकेगा तथा औद्योगिक उपयोग से सम्बन्धित अन्य व्यवसायिक क्रियाएं विकसित हो सकेगीं।

3.17.6 आपदा प्रबन्धन

1. देश में समय–समय पर आये भूकम्पों की त्रासदी को दृष्टिगत रखते हुए शासन द्वारा समय–समय पर जारी भूकम्परोधी शासनादेशों एवं सुरक्षात्मक प्राविधानों को शत् प्रतिशत अनुपालन किये जाने का प्रस्ताव है। भूकम्प से सुरक्षा हेतु सभी प्राविधानों के अनुपालन उपरान्त ही किसी भी प्रकार का निर्माण अनुमन्य होगा तथा उसके अनुरूप स्ट्रक्चरल डिजाइन तैयार किये जाने का प्राविधान है।
2. अग्नि सुरक्षा की अपेक्षाओं से सम्बन्धित शासन द्वारा जारी एवं माननीय उच्च न्यायालय के आदेशों के अनुपालन में अपेक्षित प्राविधानों की व्यवस्था सभी भवनों में भवन निर्माण की स्वीकृति के समय सुनिश्चित की

जायेगी। इसके अतिरिक्त ऐसे सभी भवन जो पूर्व में बन चुके हैं निर्माणाधीन हैं, मानचित्र स्वीकृत हैं परन्तु निर्माण कार्य प्रारम्भ नहीं हुआ है परन्तु उनमें वर्तमान में अग्नि सुरक्षा की अपेक्षाओं को पूर्ण नहीं करते हैं में भी उपयुक्त प्राविधान सुनिश्चित कराया जाना प्रस्तावित है।

तालिका संख्या–3.16
फिरोजाबाद–शिकोहाबाद नगर का प्रस्तावित भू–उपयोग–2010

क्र. सं.	भू–उपयोग	फिरोजाबाद	%	शिकोहाबाद	%
1	**आवासीय**				
	ग्रामीण आबादी	222.40		180.48	
	निर्मित	525.00		487.94	
	आवासीय	2696.96		646.40	
	योग	**3444.36**	**41.36**	**1314.82**	**44.06**
2	**व्यवसायिक**				
	बाजार स्ट्रीट	67.20		30.40	
	सिटी सेन्टर	81.92		–	
	उप नगर केन्द्र	177.92		61.44	
	थोक व्यवसाय	35.84		55.04	
	योग	**362.88**	**4.35**	**146.88**	**4.92**
3	**उद्योग**				
	वृहद् उद्योग	–		317.44	
	लघु एवं सेवा उद्योग	751.36		–	
	यू.पी.एस.आई.डी.सी.	130.56		–	
	योग	**881.92**	**10.59**	**317.44**	**10.64**
4	**कार्यालय**	**261.12**	**3.14**	**34.56**	**1.16**
5	**सामुदायिक सुविधाएं,उपयोगिताएं एवं सेवाएं**				
5.1	सामुदायिक सुविधाएं	833.94		223.96	
5.2	नॉलेज पार्क	145.92		–	
	योग	**979.86**	**11.77**	**223.96**	**7.51**

6	**यातायात एवं परिवहन**				
6.1	ट्रक अड्डा	139.52		49.92	
6.2	बस अड्डा	34.56		46.08	
6.3	प्रस्तावित मार्ग	464.71		151.04	
6.4	रेलवे परिसर	10.24		49.92	
	योग	**649.03**	**7.79**	**296.96**	**9.95**
7	**पार्क एवं खुले क्षेत्र**				
7.1	क्षेत्रीय पार्क	307.20		130.56	
7.2	सेक्टर पार्क	578.56		241.92	
7.3	जोनल पार्क	228.60		192.00	
7.4	हरित पट्टि	132.48		62.40	
	योग	**1246.84**	**15.00**	**626.88**	**21.01**
8.0	**अन्य**				
8.1	सीवेज फार्म	248.32		–	
8.2	संरक्षित स्थल	0.51		–	
8.3	वन क्षेत्र	245.76		–	
8.4	तालाब/जलाशय	–		15.87	
8.5	नदी/नहर/नाला	5.60		6.56	
	योग	**500.19**	**6.00**	**22.43**	**0.75**
	महायोग	**8326.20**		**2983.93**	